वर्ष : 34 | अंक : 345 | मुंबई, शनिवार, 21 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- भारी बारिश से प्रभावित लोगों को सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव दिसंबर से लंबित
- राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के तहत केंद्र सरकार से मांगी थी 29,781.66 करोड़ रुपये की सहायता

बुनियादी ढांचे की मरम्मत के लिए 10 हजार करोड़ की मांग

भारी बारिश से सड़कों, पुलों, स्कूलों और सार्वजनिक भवनों को भारी क्षति पहुंची है। लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत सड़कों व पुलों की मरम्मत के लिए 4,066 .98 करोड़ रुपये, ग्रामीण विकास विभाग के लिए 4,585 .70 करोड़ रुपये, जल आपूर्ति व स्वच्छता विभाग के लिए 80 .86 करोड़ रुपये, ऊर्जा विभाग के लिए 260 .96 करोड़ रुपये, स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 146 .50 करोड़ रुपये, सामुदायिक भवनों के लिए 502 .64 करोड़ रुपये, सिंचाई विभाग के लिए 350 .34 करोड़ रुपये तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के लिए 6 .29 करोड़ रुपये की मांग की गई है। कुल मिलाकर बुनियादी ढांचे के लिए लगभग 10,000 .27 करोड़ रुपये की सहायता चाही गई है।

राज्य सरकार ने तत्काल दी राहत

राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव ने बताया कि केंद्र की सहायता का इंतजार किए बिना ही राज्य सरकार ने प्रभावित नागरिकों को तुरंत राहत उपलब्ध कराई है। सरकार ने आपदा प्रभावितों को प्राथमिक सहायता देकर पुनर्वास कार्य शुरू कर दिया है और आगे भी सहायता जारी रखने का आश्वासन दिया है।

केंद्र से निर्णय का इंतजार

राज्य सरकार ने केंद्रीय सहायता के लिए प्रस्ताव भेजने के बाद मामले की लगातार निगरानी शुरू कर दी है। केंद्र सरकार से जल्द निर्णय की उम्मीद जताई जा रही है, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और मरम्मत कार्यों को गति दी जा सके।

कृषि क्षेत्र को सबसे ज्यादा नुकसान

राहत एवं पुनर्वास विभाग के अनुसार, बाढ़ का सबसे अधिक असर कृषि क्षेत्र पर पड़ा है। फसलों को भारी क्षति, मिट्टी का कटाव, जलभराव और सड़न जैसी समस्याओं से किसान बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। पशुधन की मृत्यु और मत्स्य क्षेत्र को भी नुकसान पहुंचा है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा है।

राहत की बाट जोह रहे किसान

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई सहित पूरे महाराष्ट्र में पिछले साल हुई मूसलधार बारिश और बाढ़ ने हजारों परिवारों की जिंदगी उलट कर रख दी। खेतों में लहलहाती फसलें देखते ही देखते पानी में डूब गईं, कई किसानों की सालभर की मेहनत बह गई और पशुधन का भी भारी नुकसान हुआ। टूटी सड़कें, क्षतिग्रस्त पुल, जर्जर स्कूल और बर्बाद घर आज भी उस आपदा की कहानी बयां कर रहे हैं। इस गहरे घाव को भरने के लिए राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आपदा राहत कोष के तहत केंद्र सरकार से 29,781.66 करोड़ रुपये की सहायता मांगी थी, ताकि प्रभावित परिवारों को फिर से संभलने का सहारा मिल सके। यह प्रस्ताव दिसंबर के पहले सप्ताह में भेजा गया था, लेकिन अब तक इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

कृषि मद में लगभग 19,781 करोड़ की मांग

राज्य सरकार ने 0 से 2 हेक्टेयर फसल क्षति के लिए 8,812 .10 करोड़ रुपये, 2 से 3 हेक्टेयर के लिए 848 .17 करोड़ रुपये, कृषि भूमि क्षति के लिए 193 .09 करोड़ रुपये, बीज व उर्वरक नुकसान के लिए 9,611 .17 करोड़ रुपये, पशुधन क्षति के लिए 26 .20 करोड़ रुपये, मत्स्य विभाग के लिए 87 .83 करोड़ रुपये, व्यक्तिगत घरों के लिए 39 .66 करोड़ रुपये तथा जिला स्तर पर दी गई सहायता के लिए 163 .17 करोड़ रुपये की मांग की है। कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कुल मिलाकर लगभग 19,781 .39 करोड़ रुपये की सहायता का प्रस्ताव भेजा गया है।

भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका चुनाव

अजब कुर्सी का गजब किस्सा

- कांग्रेस की तरफ से भाजपा के बागी नगरसेवक नारायण चौधरी चुने गए महापौर
- 6 नगरसेवकों ने बगावत कर दिया कांग्रेस का साथ
- एक साथ आए कांग्रेस-एनसीपी और बागी भाजपा पार्षद, बनाया सेक्युलर फ्रंट

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

राजनीति में आने से पहले मान-मर्यादा और शर्म का लवादा कहीं उतार कर रख देना चाहिए। व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई इस बात को कुछ इस प्रकार कहते हैं कि राजनीति में शर्म केवल मूर्खों को ही आती है। ताजा उदाहरण भिवंडी-निजामपुर महानगरपालिका का है, जहां महापौर के हाई-वोल्टेज चुनाव में भाजपा के साथ चंद्रपुर पैटर्न के तहत खेल हो गया। कांग्रेस ने बीजेपी के बागी नगरसेवकों की मदद से महापौर की कुर्सी पर कब्जा जमा लिया। कांग्रेस की ओर से भाजपा के बागी नगरसेवक नारायण चौधरी महापौर चुने गए, जबकि कांग्रेस के तारिक अंसारी उपमहापौर बने। भाजपा को उम्मीदवार बदलना भारी पड़ा और सहयोगी दल शिवसेना (शिंदे) का भी साथ नहीं मिला।

उपमहापौर पद पर कांग्रेस की जीत

उपमहापौर पद के लिए दाखिल 7 नामांकनों में से 4 वापस ले लिए गए। त्रिकोणीय मुकाबले में कांग्रेस के तारिक मोमिन को 43 मत मिले और वे विजयी घोषित हुए। उन्हें कांग्रेस के 30, राकांपा (शरद) के 12 और भाजपा के एक नगरसेवक का समर्थन मिला। भिवंडी विकास आघाड़ी के जावेद दलवी को 25 मत और भाजपा के सुहास नकाते को 21 मत मिले।

महापौर पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में

महापौर चुनाव की प्रक्रिया पीठासीन अधिकारी एवं ठाणे जिलाधिकारी डॉ. श्रीकृष्णनाथ पांचाल, मनपा आयुक्त अनमोल सागर और नगरसचिव अजय पाटिल की उपस्थिति में शुक्रवार दोपहर 12 बजे शुरू हुई। महापौर पद के लिए 10 और उपमहापौर पद के लिए 7 नामांकन दाखिल हुए थे। नामांकन वापसी के लिए मिले 15 मिनट में 7 उम्मीदवारों ने पर्चे वापस ले लिए, जिसके बाद महापौर पद के लिए तीन उम्मीदवार मैदान में बचे।

नारायण चौधरी को मिले 48 मत

महापौर पद के लिए कांग्रेस समर्थित नारायण चौधरी, कोणार्क विकास आघाड़ी के विलास पाटिल और भाजपा की स्नेहा मेहुल पाटिल के बीच त्रिकोणीय मुकाबला हुआ। नारायण चौधरी को 48 मत मिले, जिनमें कांग्रेस के 30, राकांपा (शरद) के 12 और भाजपा के 6 बागी नगरसेवकों के मत शामिल थे। विलास पाटिल को 26 मत प्राप्त हुए, जबकि भाजपा प्रत्याशी को मात्र 18 मत मिले। एक निर्दलीय नगरसेवक मतदान से दूर रहा। जेल में बंद विलास पाटिल पुलिस कस्टडी में मतदान के लिए पहुंचे थे।

महायुति में दरार भाजपा को झटका

महापौर और उपमहापौर चुनाव में महायुति खंड-खंड हो गई। शिवसेना (शिंदे) ने भाजपा से दूरी बनाते हुए सपा के 6 नगरसेवकों के साथ महापौर चुनाव में कोणार्क महाविकास आघाड़ी और उपमहापौर चुनाव में भिवंडी विकास आघाड़ी का साथ दिया। 42 सीटें होने के बावजूद आपसी मतभेद के चलते भाजपा और शिवसेना सत्ता से दूर रहे। इसका सीधा फायदा कांग्रेस को मिला और भाजपा का महापौर बनाने का दावा चकनाचूर हो गया।

उम्मीदवार बदलने का निर्णय पड़ा भारी

भाजपा ने पहले नारायण चौधरी को महापौर उम्मीदवार घोषित किया था, लेकिन चुनाव से दो दिन पहले स्नेहा मेहुल पाटिल को प्रत्याशी बना दिया। इस फैसले से पार्टी में नाराजगी फैल गई और दो गुट बन गए। कांग्रेस ने मौके का फायदा उठाते हुए नारायण चौधरी को अपना उम्मीदवार बनाया, जिन्हें भाजपा के 6 बागी नगरसेवकों का समर्थन मिला। परिणामस्वरूप कांग्रेस ने न सिर्फ महापौर बल्कि उपमहापौर पद पर भी कब्जा जमाकर जोड़तोड़ की राजनीति में भाजपा को मात दे दी।

मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उड़ान यात्री कैफे

- अब 10 रुपये में मिलेगी चाय और पानी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर यात्रियों को किफायती खानपान सुविधा देने की दिशा में अहम पहल की गई है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को 'उड़ान यात्री कैफे' का ई-उद्घाटन किया। इस पहल के तहत मुंबई एयरपोर्ट भी देश के अन्य प्रमुख हवाई अड्डों की तरह सस्ती और सुलभ खानपान सेवाएं उपलब्ध कराएगा।

10 से 20 रुपये में चाय-कॉफी और स्नैक्स

यह कैफे टर्मिनल-2 (टी2) के डिपार्चर क्षेत्र में चेक-इन एरिया में गेट नंबर 1 और 2 के बीच स्थापित किया गया है। यहां यात्रियों को चाय, कॉफी, पैकेज्ड पानी, स्नैक्स और डेजर्ट जैसी वस्तुएं मात्र 10 से 20 रुपये में उपलब्ध होंगी। एयरपोर्ट पर सामान्यतः महंगे खाद्य पदार्थों के बीच यह पहल आम यात्रियों को बड़ी राहत देने वाली मानी जा रही है।

हवाई यात्रा को अधिक समावेशी बनाने का उद्देश्य

अधिकारियों के अनुसार, 'उड़ान यात्री कैफे' का उद्देश्य हवाई यात्रा को अधिक समावेशी बनाना और सभी वर्गों के यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन सस्ती दरों पर उपलब्ध कराना है। ई-उद्घाटन के बाद 20 फरवरी 2026 से यह कैफे औपचारिक रूप से शुरू हो गया है। इससे एयरपोर्ट के फूड एंड बेवरेज विकल्पों में विविधता बढ़ेगी और यात्रियों के अनुभव में सकारात्मक बदलाव आने की उम्मीद है।

ब्रीफ न्यूज़

नाशिक महाकुंभ के लिए मुख्यमंत्री फडणवीस ने लांच किया कुंभदूत ऐप

नई दिल्ली/मुंबई। देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को इंडिया एआई समिट 2026 में 'महाराष्ट्र पवेलियन' का दौरा कर राज्य के विभिन्न एआई प्रोजेक्ट्स का निरीक्षण किया और नाशिक में

आयोजित होने वाले महाकुंभ मेले के लिए एआई-आधारित ऐप 'कुंभदूत' का अनावरण किया। यह हाई-टेक ऐप लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ प्रबंधन, रियल-टाइम सूचना उपलब्ध कराने और आपातकालीन सेवाओं के बेहतर समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रशासन के लिए यह सुरक्षा योजना बनाने में भी सहायक होगा। 'कुंभदूत' 20 से अधिक भारतीय भाषाओं में कार्य करेगा, जिससे देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सकेगी।

नागरिकों के हाथों में होगा उनके डेटा का अधिकार : ब्रिजेश सिंह

मुंबई। सूचना एवं जनसंपर्क महासंचालनालय के प्रधान सचिव तथा महासंचालक ब्रिजेश सिंह ने मंत्रालय के परिषद सभागार में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में कहा कि डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून, 2023 पूरी तरह नागरिक-केंद्रित है और इसके तहत किसी भी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी बिना उसकी पूर्व सहमति के उपयोग नहीं की जा सकेगी। भारतीय लोक प्रशासन संस्था द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में अध्यक्ष स्वाधीन क्षत्रिय और मानद कोषाध्यक्ष विनायक देवधर भी उपस्थित थे। सिंह ने बताया कि साइबर अपराध से बनी वैश्विक अर्थव्यवस्था भारत की जीडीपी से दोगुनी हो चुकी है, जिससे इस खतरे की गंभीरता स्पष्ट होती है। यह कानून मई 2027 से लागू होगा और तब तक सभी विभागों को अपनी प्रणाली तैयार करनी होगी। कानून लागू होने के बाद डेटा ब्रीच पर कड़े जुर्माने का प्रावधान रहेगा, जबकि सरकारी योजनाओं के लिए सीमित और उद्देश्यपूर्ण उपयोग की अनुमति होगी।

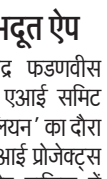

घर आए खोए 'लाल'

- मुंबई पुलिस ने 2025 के लापता 2165 बच्चों को ढूंढ निकाला
- 2026 में खोए सभी मासूम भी बरामद

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई पुलिस ने लापता बच्चों की तलाश में अपनी प्रतिबद्धता एक बार फिर साबित की है। वर्ष 2025 में लापता हुए 2182 बच्चों में से 2165 (लगभग 99%) को सुरक्षित उनके घर पहुंचाया गया। मुंबई पुलिस के जॉइंट कमिश्नर (लॉ एंड ऑर्डर) सत्यनारायण चौधरी ने बताया कि 0-5 वर्ष की आयु के बच्चों के मामलों को 'अत्यंत उच्च प्राथमिकता' दी जाती है। इसी के चलते जनवरी 2026 से अब तक इस आयु वर्ग में लापता हुए सभी 7 बच्चों को सफलतापूर्वक खोज लिया गया है।

17 बच्चे अभी लापता

साल 2026 के शुरुआती महीनों में कुल 178 नाबालिगों के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज हुई है। त्वरित कार्रवाई के तहत 161 बच्चों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 17 नाबालिग (8 लड़के और 9 लड़कियां) अभी भी लापता हैं। ये सभी 16 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ को बताया अवैध

एजेंसी | वॉशिंगटन

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए व्यापक वैश्विक टैरिफ को रद्द कर दिया। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को डोनाल्ड ट्रंप के आर्थिक एजेंडे के एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर मिली बड़ी हार माना जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला ट्रंप की ओर से आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत एकतरफा रूप से लगाए गए टैरिफ पर केंद्रित है, जिसमें लगभग हर दूसरे देश पर लगाए गए व्यापक पारस्परिक टैरिफ भी शामिल हैं। अमेरिकी सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया कि 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत अमेरिकी राष्ट्रपति के पास लगभग सभी अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों से आने वाले सामानों पर व्यापक आयात शुल्क लगाने का अधिकार नहीं है।

रिश्वतखोरी के मामले में हटाए गए मंत्री के सचिव

मुंबई। राज्य के खाद्य और औषधि प्रशासन मंत्री नरहरि जिरवाल के निजी सचिव डॉ. रामदास गाडे को तुरंत प्रभाव से हटा दिया गया है और उन्हें उनके मूल विभाग में वापस जाने के लिए कहा गया है। आरोप है कि फाइल क्लियर करने के लिए रिश्वत मांगी गई थी। डॉ. गडे, जो मंत्री के निजी सचिव के रूप में तैनात थे, अब कृषि विभाग में सहायक आयुक्त के पद पर लौटेंगे। प्रशासन ने इसकी सूचना सामान्य प्रशासन विभाग को भेज दी है ताकि आवश्यक आदेश तुरंत जारी किए जा सकें।

स्टिंग ऑपरेशन के बाद हुआ खुलासा

बता दें कि मामला एक स्टिंग ऑपरेशन के दौरान सामने आया। स्टिंग में यह खुलासा हुआ कि फाइल पर पेन से एक रेखा खींचने का मतलब 50,000 रुपये रिश्वत और दो रेखाओं का मतलब एक लाख रुपये रिश्वत था। मामले में नाम सामने आया जब मेडिकल दुकान मालिक निर्मल शर्मा ने आरोप लगाया कि उनकी दुकान का लाइसेंस एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया!

शर्मा ने सात फरवरी को की थी अपील

शर्मा ने 7 फरवरी को मंत्रालय में अपील की और 13 फरवरी को सुनवाई हुई। उन्होंने आरोप लगाया कि जब वे मंत्रालय पहुंचे तो उन्हें गडे के कक्ष में बैठाया गया, जहां एक क्लर्क, राजेंद्र धेरंगे, ने कथित तौर पर 1.10 लाख रुपये रिश्वत मांगी। इसमें 1 लाख रुपये वरिष्ठ अधिकारियों के लिए और 10,000 रुपये स्वयं के लिए थे। इसपर शर्मा ने कहा कि जब उन्होंने ज्यादा राशि की शिकायत की, तो उन्हें 50% की छूट ऑफर की गई। इसके बाद उन्होंने 2,000 रुपये ऑनलाइन और 53,000 रुपये नकद में दिए।

अवसान | बंगाल के प्रसिद्ध साहित्यकार शंकर का निधन

नहीं रहे चौरंगी के रचयिता

अगर पूरी दुनिया को किसी एक किताब में समेटना हो, तो वह किताब चौरंगी है। एक पाँच सितारा होटल की चमक-दमक के भीतर से झाँकती यह कथा दरअसल अलग-अलग संस्कृतियों और चेहरों का जीवन वर्णन है। इस उपन्यास में इतने अधिक विविधरंगी चरित्र हैं कि इसे सहज ही मानव जीवन की महागाथा कहा जा सकता है। पर यह कोई ऐसी महागाथा नहीं, जिसमें कोई महानायक हो या कोई आदर्श गढ़ा जाए। यहाँ नायक भी साधारण हैं, कमज़ोर भी, और बेहद मानवीय भी। आज भी हैरत होती है कि एक होटल को पृष्ठभूमि में रखकर इतना सुंदर उपन्यास कैसे लिखा जा सकता है।कहानी के अंत में आते-आते एक पंक्ति मन के किसी कोने को सुन्न सा कर जाती है — 'शाहजहां की क्लान्तिहीन लाल रोशनी अब भी जल रही है, बुझ रही है।' इसका अर्थ है कि जीवन यहीं खत्म नहीं होता। इसी चौरंगी को रचने वाले प्रिय साहित्यकार मणिशंकर मुखोपाध्याय अब नहीं रहें।

एजेंसी | कोलकाता

बांग्ला साहित्य के सबसे लोकप्रिय लेखकों में एक मणिशंकर मुखोपाध्याय उर्फ शंकर नहीं रहे। वे 93 वर्ष के थे। उनके परिजनों ने बताया कि शंकर मुखोपाध्याय उर्फ शंकर कुछ समय से अस्वस्थ थे। उनके परिवार में 2 बेटियां हैं। शंकर मुखोपाध्याय के 'चौरंगी' जैसे उपन्यासों ने शहरी जीवन और समाज की जटिलताओं को बखूबी उजागर किया। वह बांग्ला साहित्य के सबसे लोकप्रिय लेखकों में से एक माने जाते थे।

सत्यजित रे के प्रिय लेखक थे शंकर

बांग्ला लेखक मणि शंकर मुखर्जी के उपन्यास 'काटो अजानारे' (द ग्रेट अननोन), 'चौरंगी', 'सीमाबद्ध' (कंपनी लिमिटेड) और 'जन अरण्य' (द मिडिलमैन) कई भाषाओं में अनूदित हुये और महान फिल्मकार सत्यजीत रे ने उन पर आधारित फिल्में बनाईं।

प्रधानमंत्री ने जताया शोक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बंगाली साहित्यकार मणि शंकर मुखोपाध्याय के निधन पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर कहा कि मणि शंकर मुखोपाध्याय बंगाली साहित्य के एक महान व्यक्तित्व थे। उनके शब्दों ने लोगों के जीवन को संवेदनशीलता और अंतर्दृष्टि से चित्रित किया। अपनी अविस्मरणीय रचनाओं के माध्यम से उन्होंने पाठकों की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया।

ममता बनर्जी ने शोक व्यक्त किया

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शंकर मुखोपाध्याय के निधन पर शोक व्यक्त किया है। ममता बनर्जी ने अपने शोक संदेश में उन्हें एक ऐसी महान साहित्यिक हस्ती बताया, जिनकी रचनाएं पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेंगी। ममता बनर्जी लिखती हैं कि 'चौरंगी' से लेकर 'काट अख्यानारे, 'सीमाबाद' से 'जनारण्य' तक, उनकी कालजयी रचनाओं ने बांग्ला पाठकों की पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध किया है। उनकी रचनाओं में आम आदमी के जीवन संघर्ष की कहानियां सामने आयीं। विशेषकर स्वामी विवेकानंद पर उनका गहन शोध और पुस्तकें हमारे लिए अमूल्य संसाधन हैं।

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित

उनका जन्म 7 दिसंबर 1933 को तत्कालीन अविभाजित भारत के जेसोर (अब बांग्लादेश) में हुआ था। उनके पिता द्वितीय विश्वयुद्ध से पूर्व कोलकाता आ बसे थे। हावड़ा में ही उनका बचपन और शिक्षा-दीक्षा हुई, जहां से उनके साहित्यिक जीवन की शुरुआत भी हुई। 1955 में उनकी पहली पुस्तक प्रकाशित हुई। बांग्ला उपन्यास 'कतो अजानारे' से उन्हें व्यापक लोकप्रियता मिली। उनके चर्चित उपन्यास 'चौरंगी' पर आधारित 1968 में बनी फिल्म 'चौरंगी' ने उन्हें घर-घर तक पहुंचाया। इसके अतिरिक्त 'सीमाबद्ध', 'जन अरण्य', 'चरण छुएं जाई' और 'अचेना अजाना विवेकानंद' जैसी कृतियों ने उन्हें विशिष्ट पहचान दिलाई। आम जनजीवन के संघर्ष, सुख-दुख और सामाजिक यथार्थ को उन्होंने अपनी लेखनी में सशक्त रूप से उकेरा। उन्हें अपने जीवनकाल में प्रतिष्ठित 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार और कई अन्य सम्मानों से नवाजा गया।

कोर्ट ने नौसेना को लगाई फटकार

आईएनएस शिक्रा के पास गगनचुंबी इमारत बन गई, आपको पता तक नहीं चला: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

दक्षिण मुंबई में नौसेना के प्रमुख एयर स्टेशन आईएनएस शिक्रा के पास ऊंची इमारत के निर्माण को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट ने भारतीय नौसेना को कड़ी फटकार लगाई है। अदालत ने इसे नौसेना की 'इंटेलिजेंस और सुरक्षा की बड़ी चूक' करार दिया। जस्टिस रवींद्र घुगे और जस्टिस अभय मंत्री की पीठ ने हैरानी जताते हुए कहा कि नौसेना अधिकारी अपने दफ्तरों में बैठे रहे और उनके ठीक पास एक गगनचुंबी इमारत खड़ी हो गई। कोर्ट ने टिप्पणी की कि इतने वर्षों तक निर्माण कार्य न देख पाना इंटेलिजेंस की विफलता दर्शाता है।

क्या है पूरा विवाद?

INS शिक्रा के कमांडिंग ऑफिसर ने याचिका दायर कर निर्माण परियोजना पर रोक लगाने की मांग की थी। उनका तर्क था कि यह इमारत संवेदनशील सैन्य प्रतिष्ठान के लिए सुरक्षा जोखिम है। हालांकि अदालत ने नोट किया कि निर्माण कार्य 2011 में शुरू हुआ था और 2024 तक 19 मंजिलें (लगभग 70 मीटर) बन चुकी थीं।

खबर के बाद हरकत में आया प्रशासनिक अमला

सलून से निकलने वाले ब्लेड अपशिष्ट का अब होगा सुरक्षित निस्तारण

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर शहर के सभी सलूनों से निकलने वाले खतरनाक ब्लेड कचरे के सुरक्षित संग्रहण और निस्तारण के लिए मीरा भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) ने विशेष 'ब्लेड बिन' वितरित किए हैं। 20 फरवरी को महापौर डिंपल मेहता ने शहर के सलून एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को ये विशेष डिब्बे सौंपते हुए स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। इस पहल से अब ब्लेड रूपी खतरनाक कचरे का व्यवस्थित और सुरक्षित निपटान संभव हो सकेगा।

समाचार के बाद हरकत में आया प्रशासन

24 जुलाई 2025 को संवाददाता विनय दूबे द्वारा इस गंभीर विषय पर प्रकाशित खबर के बाद यह मुद्दा सार्वजनिक चर्चा में आया। इसके बाद एमबीएमसी ने संज्ञान लेते हुए ठोस कदम उठाने शुरू किए। निर्णय लिया गया कि सभी सलूनों को ब्लेड संग्रहण हेतु विशेष सुरक्षित डिब्बे उपलब्ध कराए जाएंगे। संबंधित विभाग के स्वच्छता कर्मी इन डिब्बों से ब्लेड एकत्र कर उत्तन स्थित डंपिंग ग्राउंड में बनाए गए संयंत्र में उनका सुरक्षित निस्तारण करेंगे।

पहले लापरवाही से बढ़ रहा था खतरा

गौरतलब है कि इससे पहले ब्लेड के सुरक्षित निस्तारण को लेकर प्रशासन का रवैया उदासीन रहा था। जागरूकता के अभाव में कई सलून कर्मी इस्तेमाल किए गए धारदार ब्लेड और उनके टुकड़ों को नालों, गटरों में फेंक देते थे या सामान्य कचरे में मिलाकर सफाई कर्मियों को सौंप देते थे। इस लापरवाही के कारण सफाई कर्मचारियों के घायल होने की घटनाएं सामने आती रही थीं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुकी थीं।

900 सलून, बढ़ता जोखिम और नियमों की अनदेखी

मीरा-भाईंदर मनपा क्षेत्र में लगभग 900 सलून संचालित हैं। सरकार द्वारा धारदार अपशिष्ट के निस्तारण के लिए स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए गए हैं, जिनके अनुसार ब्लेड को मजबूत, पंचर-प्रूफ 'शार्प्स कंटेनर' में संग्रहित कर सुरक्षित तरीके से निपटान करना अनिवार्य है। लेकिन पूर्व में उचित व्यवस्था के अभाव में सफाई कर्मी भी ऐसे कचरे को लेने से इंकार कर देते थे। परिणामस्वरूप, नालों और गटरों में फेंके गए ब्लेड सफाई के दौरान कर्मचारियों के लिए गंभीर खतरा बनते थे।

छह माह की योजना का परिणाम

उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर ने बताया कि समाचार प्रकाशित होने के बाद पिछले छह महीनों से योजनाबद्ध तरीके से इस दिशा में कार्य किया गया। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप अब खतरनाक ब्लेड कचरे के सुरक्षित निस्तारण की व्यवस्था लागू हो गई है। प्रशासन की इस पहल को शहर में स्वच्छता और सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कल्याण-शीलफाटा-तलोजा में दौड़ेगी मेट्रो

8,414 करोड़ की मंजूरी, लाखों यात्रियों को मिलेगी राहत

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) में यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। कल्याण-डोंबिवली क्षेत्र को नवी मुंबई से सीधे जोड़ने वाली मेट्रो-12 (कल्याण-तलोजा) परियोजना के विस्तार, जिसे मेट्रो-12A नाम दिया गया है, को 8,414.53 करोड़ रुपए की प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इस परियोजना के पूरा होने से कल्याण-शीलफाटा रोड पर दशकों से चली आ रही जाम की समस्या का स्थायी समाधान होने की उम्मीद है।

प्रस्तावित मेट्रो-12A परियोजना कल्याण-शीलफाटा रोड के समानांतर बनाई जाएगी। यह मार्ग मुख्य रूप से कल्याण फाटा, दहिसर मोरी और तलोजा के बीच के क्षेत्रों को कवर करेगा। इस विस्तार से विस्तारित डोंबिवली, मानपाडा, काटई नाका, ग्रोथ सेंटर, देसाई नाका, पडलेगांव, गोठेघर,

दहिसर गांव, किरावली और रोहिंजण जैसे तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्रों के नागरिकों को सीधा लाभ मिलेगा। यह मेट्रो सेवा कलवा, दिवा और मुंब्रा जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों के लिए पहली मेट्रो कनेक्टिविटी होगी। भविष्य में इस लाइन को मेट्रो-14 (कांजुरमार्ग-बदलापुर) के साथ एकीकृत किया जाएगा, जिससे यात्री सीधे नवी मुंबई से मुंबई (कांजुरमार्ग) तक बिना किसी रुकावट के सफर कर सकेंगे।

परियोजना का महत्व

वर्तमान में शीलफाटा रोड पर वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है, जिससे पीक आवर्स के दौरान यात्रियों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है। मेट्रो लाइन शुरू होने से न केवल यात्रा का समय बचेगा, बल्कि निजी वाहनों की संख्या में भी कमी आएगी, जिससे प्रदूषण कम होगा। प्रशासन ने संबंधित विभागों को इन सभी विकास कार्यों में तेजी लाने और समय सीमा के भीतर इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए हैं ताकि नागरिकों को जल्द से जल्द यह आधुनिक परिवहन सुविधा मिल सके।

बजट और अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं

मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने वर्ष 2026-27 के बजट में कल्याण के विकास कार्यों के लिए 4,897.19 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की है। मेट्रो के अलावा, क्षेत्र में कई अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर भी तेजी से काम चल रहा है। कल्याण रिंग रोड, शहर के भीतर यातायात के दबाव को कम करने के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर, वालधुनी नदी के किनारे विट्ठलवाड़ी स्टेशन से कल्याण-अहिल्यानगर महामार्ग तक। पलावा फ्लाईओवर और तीसरा पत्री पुल: प्रमुख जंक्शनों पर लगने वाले ट्रैफिक जाम को समाप्त करने के लिए।

जयंती का जश्न समाज कल्याण के कामों के ज़रिए मनाया जाना चाहिए: डॉ. कैलाश पवार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

'जयंती सिर्फ जुलूस, नारेबाजी और औपचारिक कार्यक्रमों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि समाज की भलाई के लिए उठाए गए ठोस कदम ही महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि हैं,' यह विचार जिला सर्जन डॉ. कैलाश पवार ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और जगद्गुरु संत सेवालाल महाराज की जयंती समाज कल्याण के कार्यों के माध्यम से मनाई जानी चाहिए। शिव जयंती और संत सेवालाल महाराज जयंती के अवसर पर द ग्रेट सतारा सांगली सेवा समिति, डायसन फाउंडेशन तथा ठाणे जिला सिविल अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में एक भव्य स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। उद्घाटन अवसर पर परंपरागत रीति से महापुरुषों के चित्रों पर पुष्प अर्पित किए गए, जिसमें ट्रैफिक पुलिस उपायुक्त पंकज शिरसाठ सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

175 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य शिविर का लाभ

आयोजित स्वास्थ्य शिविर में लगभग 175 मरीजों ने विभिन्न जांचों और नि:शुल्क दवाइयों का लाभ उठाया। स्त्री रोग, अस्थि रोग, बाल रोग, नेत्र एवं दंत जांच के साथ-साथ रक्तचाप, शुगर, कोलेस्ट्रॉल और ईसीजी जैसी जांचें नि:शुल्क की गईं। नेत्र परीक्षण के बाद पात्र लाभार्थियों को मुफ्त चश्मे भी वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त, ई-श्रम कार्ड और आयुष्मान भारत कार्ड के पंजीकरण के लिए भी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। जिला सामान्य अस्पताल के 32 डॉक्टरों, विशेषज्ञों, अधिकारियों तथा पैथोलॉजी व डिस्पेंसरी स्टाफ ने शिविर में सक्रिय योगदान दिया। डायसन फाउंडेशन के निदेशक डॉ. अतुल तारासिंह राठौड़, वैशाली राठौड़, प्रकाश सूर्यवंशी (संस्थापक अध्यक्ष) और उत्तम सूर्यवंशी (अध्यक्ष, ठाणे जिला) सहित समिति सदस्यों ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जबकि नीतू राठौड़ और नीमू राठौड़ के स्वागत भजनों और गीतों ने कार्यक्रम के सांस्कृतिक वातावरण को और समृद्ध किया।

वसई विरार शहर महानगरपालिका

प्रभाग समिती 'एफ' धानिव/पेल्हार

ता.वसई, जि. पालघर, पिन ४०१ २०८

ई-मेल : pelharfvvcmc@gmail.com

जाहिर नोटीस

वसई विरार शहर महानगरपालिका सर्व नागरीकांना सुचित करण्यात येते की, खालील नमूद धानिव विभागातील मालमत्ता धारकांनी हस्तांतरण कामी लेखी अर्ज तसेच कागदपत्रे सादर केली आहेत. उक्त फेरफार प्रकरणी कोणतीही हरकत / तक्रार असल्यास त्यांनी कार्यालयात जाहीर नोटीस प्रसिध्द झालेल्या तारखेपासुन ७ (सात) दिवसांच्या आत लेखी हरकत / तक्रार कागदपत्रांसह नोंदवावी सदर हरकत/तक्रार न आल्यास कार्यालय पुढील मालमत्ता हस्तांतरणाची कार्यवाही करण्यात येईल.

विभाग - धानिव

अ. क्र.	मालमत्ता क्रमांक	ज्यांच्या नावे मालमत्ता आहे त्याचे म्हणजेच विकणा-याचे किंवा करदात्यांचे नाव	खरीददाराचे किंवा अभिहस्तांकन करदात्याचे नाव
१.	DN04/377	अनील बाळकृष्ण चोपडा	अब्दुल कादिर अभ्दुल हमीद शेख व इतर 13 इतर
२.	DN03/789/8	हरीलाल कुदई गुप्ता	राधिका हरीलाल गुप्ता
३.	DN02/4618/2	निर्मला तिवारी	सुजित बाजींदर सिंह / नीतू सिंह
४.	DN01/1328	मो. हालिम मो. सीलम खान	अंसार अहमद मो. मुस्तफा शेख
५.	DN04/4619/1	शारदा रक्षाराम यादव	अहमद अली S/O माशूफ अली
६.	DN01/2016/2	असलम मुर्तुजा सय्यद	साकिर उस्मान सय्यद
७.	DN01/822/3	युसुफ इब्राहीम पटेल	निर्मला कमलेश मौर्या
८.	DN03/1913/2	विजय राजमनी पाण्डेय	प्रताप सिंह तगत सिंह
९.	DN01/8462/1	इन्सान अली कल्लु अंसारी	सादिया मोहम्मद खालिद
१०.	DN01/1123	अबरार अब्दुल कादीर शेख	सुनिल सिताराम शर्मा / धीरज शर्मा
११.	DN01/4103/3	जयराम नान्हु राजभर	शैलेश नन्दलाल चौहान
१२.	DN04/2728/5	सलमा अश्फाक शेख	बेताब आलम अकबर अली खान
१३.	DN02/4634/1	ममता कुमारी बब्लुकुमार ठाकुर	किसमत अली
१४.	DN01/8630	मकबुल अली शेख	रूयेदा खातून हसिब अहमद अन्सारी
१५.	DN01/1842	संध्या राकेश यादव	संजय राजनाथ यादव
१६.	DN01/2128/11	हिरालाल अहमद इकबाल खान	धीरेंन्द्र कुमार बालमीक दुवेदी
१७.	DN03/2915	रामकेश बींदेश्वरी प्रसाद यादव	मधुबन जुरी गुप्ता
१८.	DN04/987/1	इकरामुल हक बाबुजान शेख	मसिरुन्नीशा सज्ञान
१९.	DN01/8885	मोहम्मद हसनैन S/O बसीत अली	राहमिनाखातुन मोहम्मद हसनैन
२०.	DN05/1982	तौफिक सबदर शेख	सुमन देवी संजय यादव
२१.	DN01/9268	भरत शांताराम गौस	मनोज कुमार मिश्रा
२२.	DN02/4890/2	शर्मिला जितेंद्र पांचाळ	प्रमोद राजेंद्र गुप्ता

जा.क्र. : व.वि.श.म./क.वि./२१२/२०२५
दिनांक : १२/२/२०२५-२६

सही/-
सह. आयुक्त
प्रभाग समिती (एफ) धानिव/पेल्हार
वसई-विरार शहर महानगरपालिका

रुकी जरूर थीं, लेकिन हारी नहीं

मां-बेटी एक साथ दे रहीं हाईस्कूल परीक्षा

वर्षों पहले पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी मेहनतकश महिलाओं ने दिए बोर्ड एग्जाम

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में इस वर्ष दसवीं की परीक्षा के साथ एक प्रेरणादायक पहल चर्चा में है। वर्षों पहले पढ़ाई बीच में छोड़ चुकी मेहनतकश महिलाओं ने दोबारा किताबें थामी हैं और अब वे दसवीं की परीक्षा दे रही हैं। 30 से 55 वर्ष आयु वर्ग की इन महिलाओं की शिक्षा अलग-अलग कारणों से रुक गई थी, लेकिन अपने बच्चों को आगे बढ़ते देख उन्होंने अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करने का संकल्प लिया। इस पहल की सबसे खास बात यह है कि अक्षदा गायकवाड और उनकी बेटी सृष्टि गायकवाड इस वर्ष एक साथ परीक्षा दे रही हैं, जो समाज के लिए प्रेरणा का उदाहरण बन गया है।

इस पहल की जानकारी देते हुए प्रभात ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भा. थोरात ने बताया कि इसकी शुरुआत 10 मई को मजदूर महिलाओं के लिए आयोजित 'आता थांबायचं नाय' फिल्म के विशेष प्रीमियर से हुई। फिल्म से प्रेरित होकर कई महिलाओं ने दोबारा पढ़ाई शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद प्रभात ट्रस्ट और स्त्रीमुक्ती संघटना के संयुक्त प्रयास से विशेष अध्ययन कक्षाएं शुरू की गईं।

संघर्ष, सहयोग और नई उम्मीद

बारिश, बीमारी, लंबी यात्राएं और घरेलू जिम्मेदारियों के बावजूद महिलाओं ने पढ़ाई जारी रखी। स्कूल छोड़ने का प्रमाणपत्र और गैप सर्टिफिकेट जैसे दस्तावेज जुटाना भी आसान नहीं था, फिर भी उनका हौसला अडिग रहा। परीक्षा से पहले आयोजित उत्साहवर्धन कार्यक्रम में उदयकुमार शिरूरकर सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे और सभी ने महिलाओं के जज्बे की सराहना की। सामाजिक सुधारक कर्मवीर भाऊराव पाटील के आदर्शों से प्रेरित यह पहल शिक्षा के माध्यम से वंचित वर्ग को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इन महिलाओं की कहानी साबित करती है कि वे रुकी जरूर थीं, लेकिन हारी नहीं थीं।

प्रोफेसर वृषाली मगदूम के मार्गदर्शन में 6 जुलाई 2025 को आषाढ़ी एकादशी के दिन इन कक्षाओं की औपचारिक शुरुआत हुई।

फ्लाईओवर और कंक्रीट सड़क कार्य को लेकर एमएमआरडीए की बैठक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई/विरार

मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग से विरार और नालासोपारा स्टेशनों को जोड़ने वाली कंक्रीट सड़कों तथा विराटनगर-ओसवाल नगरी में प्रस्तावित रेलवे फ्लाईओवर का निर्माण अब युद्ध स्तर पर किया जाएगा। देवेंद्र फडणवीस के 'वार रूम' निर्देशों और भाजपा विधायक राजन नाईक के प्रयासों के बाद इन कार्यों को प्राथमिकता सूची में शामिल किया गया है।

मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) की समीक्षा बैठक में इन परियोजनाओं को 'सर्वोच्च प्राथमिकता' देने का निर्णय लिया गया। वसई-विरार क्षेत्र में विकास

कार्यों को गति देने के लिए मुख्यमंत्री ने महामुंबई मेट्रो ऑपरेशन कॉर्पोरेशन की प्रबंध निदेशक रुबल अग्रवाल को वसई और पालघर क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी है। उनकी अध्यक्षता में मुंबई में आयोजित बैठक में विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई।

रिंग रूट परियोजना की भी तैयारी

बैठक में तय किया गया कि विरार और नालासोपारा स्टेशन तक पहुंचने वाली मुख्य सड़कों का कंक्रीटीकरण और फ्लाईओवर निर्माण कार्य पहले चरण में पूरा किया जाएगा। साथ ही वसई तालुका में बढ़ती यातायात समस्या के समाधान के लिए 'रिंग रूट' परियोजना की विस्तृत रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैठक में भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष महेंद्र पाटील, एमएमआरडीए के अधीक्षक अभियंता चेतन बेंडाळे, कार्यकारी अभियंता सुरेंद्र शेवाळे और वसई-विरार महानगरपालिका के नगर अभियंता प्रदीप पाचंगे सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

मुस्लिम आरक्षण

सरकार के हुक्मनामे को हाईकोर्ट में चुनौती

23 फरवरी को होगी अहम सुनवाई

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र सरकार द्वारा मुस्लिम समुदाय को मिलने वाले 5 प्रतिशत आरक्षण को समाप्त करने के फैसले ने नया कानूनी और राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। 17 फरवरी 2026 को जारी सरकारी प्रस्ताव (GR) के तहत सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में यह कोटा खत्म कर दिया गया। इस निर्णय को बॉम्बे हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है, जहां इसे असंवैधानिक और सांप्रदायिक बताया गया है।

2014 के अध्यादेश से शुरू हुआ सफर

यह मुद्दा वर्ष 2014 से जुड़ा है, जब तत्कालीन कांग्रेस-एनसीपी सरकार ने अध्यादेश के जरिए मराठा समुदाय को 16 प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय को 'विशेष पिछड़ा वर्ग' के तहत 5 प्रतिशत आरक्षण दिया था। बाद में हाई कोर्ट ने मराठा आरक्षण पर रोक लगाई, लेकिन मुस्लिमों के लिए शिक्षा क्षेत्र में 5 प्रतिशत आरक्षण को आंशिक राहत दी थी। अब मौजूदा सरकार के नए जीआर से वह राहत भी प्रभावी रूप से समाप्त हो गई है।

अधिवक्ता डॉ. सैयद एजाज अब्बास नकवी ने सिविल रिट याचिका (नंबर 5063/2026) दायर कर 17 फरवरी के सरकारी आदेश को रद्द करने की मांग की है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील नितिन सातपुते पैरवी कर रहे हैं। मामले को 23 फरवरी 2026 को न्यायमूर्ति रियाज छागला की पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किए जाने की संभावना है।

विपक्ष का कड़ा विरोध

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस फैसले को लोकतंत्र के लिए घातक बताया है, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) ने भी इसे सामाजिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ करार दिया है। विपक्ष का कहना है कि सच्चर कमेटी और रंगनाथ मिश्रा आयोग की सिफारिशों के आधार पर मुस्लिम समुदाय के पिछड़ेपन को स्वीकार किया गया था, ऐसे में बिना ठोस आधार के आरक्षण समाप्त करना उचित नहीं है।

चुनाव बाद राजनीतिक माहौल में हो सौहार्द : राज ठाकरे

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने कहा है कि चुनाव के बाद सभी राजनीतिक नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण माहौल होना चाहिए। उन्होंने बताया कि वे हाल ही में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से महाराष्ट्र की समस्याओं को लेकर मिले थे और जल्द ही मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात करेंगे।

'मुलाकातों को राजनीति से न जोड़ें'

राज ठाकरे ने कहा कि उनकी एकनाथ शिंदे से मुलाकात के बाद तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं, जो ठीक नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पहले चुनावी प्रतिस्पर्धा केवल मैदान तक सीमित रहती थी और उसके बाद नेताओं के बीच सौहार्द बना रहता था। सत्ता पक्ष और विपक्ष को अपने-अपने दायित्व निभाने चाहिए और हर मुलाकात के पीछे राजनीतिक मकसद नहीं तलाशना चाहिए।

रीडेवलपमेंट और ट्रैफिक पर चिंता

राज ठाकरे ने कहा कि शहरों में तेजी से रीडेवलपमेंट हो रहा है, लेकिन बुनियादी ढांचा उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहा। जहां पहले 25 से 40 लोग रहते थे, वहां अब सैकड़ों लोग रह रहे हैं, जबकि सड़कों और सुविधाओं में बदलाव नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी चिंताओं से संबंधित एक फाइल एकनाथ शिंदे को सौंपी है, जिसे आगे मुंबई नगर निगम आयुक्त भूषण गगरानी को भेजा गया है। अब आगे की कार्रवाई को लेकर प्रशासन से जवाब अपेक्षित है।

विकास की परिभाषा पर उठाए सवाल

पत्रकारों से बातचीत में राज ठाकरे ने कहा कि मुंबई, पुणे और ठाणे जैसे शहरों की हालत चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि केवल सड़कों, फ्लाईओवर और पुलों को विकास मान लेना पर्याप्त नहीं है। शहरों की बुनियादी समस्याओं पर ध्यान देना जरूरी है। उनके अनुसार, विकास का संतुलित दृष्टिकोण अपनाए बिना नागरिकों की परेशानियां कम नहीं होंगी।

व्यापार समझौते के खिलाफ कांग्रेस का किसान आंदोलन

मुंबई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते के विरोध में देशव्यापी किसान आंदोलन का संकेत दिया है। इसकी शुरुआत 24 फरवरी को भोपाल में किसान सम्मेलन से होगी, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल होंगे। इसके बाद 7 मार्च को यवतमाल में बड़े स्तर पर किसानों का जमावड़ा आयोजित किया जाएगा। इस संबंध में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और बिहार के नेताओं के साथ बैठक में निर्णय लिया गया, जिसमें हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू भी उपस्थित रहे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि व्यापार समझौते का असर पहले चरण में कपास, सोयाबीन, मक्का, फल और मेवे के किसानों पर पड़ेगा, विशेषकर इन छह राज्यों में।

एआई से सशक्त होगा लोकतंत्र : आशीष शेलार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'एआई इम्पैक्ट समिट 2026' में महाराष्ट्र के सूचना प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) केवल तकनीकी क्रांति नहीं, बल्कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने का माध्यम है। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार की ओर से 'महा एआई: बिल्डिंग सेफ, सिक्योर एंड स्मार्ट गवर्नेंस' विषय पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

मंत्री शेलार ने बताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में एआई के माध्यम से प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया गया है। माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विकसित 'महा क्राइम' प्रणाली ने अपराध नियंत्रण और जांच में तेजी लाई है। इस पहल की सराहना स्वयं माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला ने भी की है।

साइबर सुरक्षा और समावेशी विकास पर जोर

महाराष्ट्र साइबर सेल के एडीजीपी यशस्वी यादव ने बताया कि एआई के उपयोग से एक हजार करोड़ रुपये की ठगी रोकी गई और 70 बच्चियों को बचाया गया। डीपफेक की पहचान, डिजिटल सुरक्षा और क्वांटम कंप्यूटिंग के संभावित खतरों पर भी चर्चा हुई।

स्मार्ट गवर्नेंस के नए आयाम

महा आईटी द्वारा विकसित 'इंटेलिजेंट गवर्नमेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर' के माध्यम से स्मार्ट भर्ती प्रक्रिया, संपत्ति मैपिंग, रियल-टाइम नागरिक डैशबोर्ड, यातायात एवं बाढ़ प्रबंधन तथा शिकायत निवारण सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। नागरिकों की सहायता के लिए 'महा जीपीटी' एआई मॉडल पर भी काम किया जा रहा है, जिससे शासन व्यवस्था और अधिक उत्तरदायी बनेगी।

आदित्य ठाकरे और मिलिंद देवड़ा के बीच जुबानी जंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई की ऐतिहासिक पहचान रहे महालक्ष्मी रेसकोर्स को 'महालक्ष्मी सेंट्रल पार्क' के रूप में विकसित करने की योजना पर नया राजनीतिक विवाद छिड़ गया है। इस मुद्दे पर शिवसेना (यूबीटी) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के राज्यसभा सदस्य मिलिंद देवड़ा के बीच तीखी बयानबाजी हो रही है। पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने इस परियोजना का विरोध किया है, जबकि देवड़ा इसे मुंबई के लिए ऐतिहासिक हरित पहल बता रहे हैं।

आदित्य ठाकरे का कड़ा विरोध

आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि महालक्ष्मी रेसकोर्स के खुले मैदान को कंक्रीट में बदलकर व्यावसायिक उपयोग के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। उनका तर्क है कि मुंबई के सीमित प्राकृतिक खुले स्थानों को उनके मूल स्वरूप में संरक्षित रखना जरूरी है। उन्होंने कोलाबा के बैक गार्डन में प्रस्तावित 'एस्ट्रो टर्फिंग' का भी विरोध करते हुए कहा कि स्थानीय निवासियों और बच्चों के खेल मैदान प्राकृतिक मिट्टी के ही होने चाहिए।

मिलिंद देवड़ा ने आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि परियोजना के तहत रेसकोर्स की 125 एकड़ भूमि और तटीय सड़क की 175 एकड़ भूमि को मिलाकर लगभग 300 एकड़ का विशाल हरित क्षेत्र विकसित किया जाएगा।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज

देवड़ा ने आदित्य ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ नेताओं को विशेष स्थानों तक पहुंच का विशेषाधिकार प्राप्त है, जबकि आम नागरिकों को बड़े खुले क्षेत्रों की जरूरत है। इस बयानबाजी के बीच यह स्पष्ट है कि 'महालक्ष्मी सेंट्रल पार्क' परियोजना अब केवल विकास का मुद्दा नहीं, बल्कि मुंबई की राजनीति का केंद्र बन चुकी है।

भूमिगत खेल परिसर और पर्यावरण संतुलन

देवड़ा ने बताया कि पार्क के नीचे 10 लाख वर्ग फुट का भूमिगत खेल परिसर प्रस्तावित है, जिससे ऊपर की हरियाली सुरक्षित रहेगी और युवाओं को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि परियोजना में भूजल पुनर्भरण और बाढ़ नियंत्रण जैसे प्रावधान भी शामिल हैं, जिससे विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बना रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस योजना को 2024 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली राज्य मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी थी।

मध्य रेल

ई–नीलामी की सूचना

मुंबई मंडल, मध्य रेलवे ने ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल के माध्यम से www.ireps.gov.in पर नीचे दी गई संपत्तियों कि लीजिंग के लिए ई–नीलामी का आह्वान किया है। **इच्छुक बोली दाताओं को ई–नीलामी लीजिंग मॉड्यूल में पंजीकृत होना आवश्यक है और ई–नीलामी से पहले सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने होंगे।** अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं से अनुरोध है कि नीचे उल्लिखित ई–नीलामी के विवरण जानने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें:

क्रम संख्या	श्रेणी	उप–श्रेणी	नीलामी प्रारंभ तिथि
1	विज्ञापन	उपनगरीय ट्रेनों में मोबाइल संपत्तियां, आंतरिक और बाहरी भाग में	23-02-2026 & 06.03.2026
		मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के आंतरिक और बाहरी भाग में मोबाइल संपत्तियाँ	09.03.2026
		आरडीएन (RDN)	07-03-2026
		आउटडोर विज्ञापन (OOH)	20.02.2026, 21.02.2026, 27.02.2026 & 05.03.2026
2	पार्सल	22 एफएसएलआर	05-03-2026
3	भुगतान एवं पार्किंग	मिश्रित पार्किंग	24.02.2026, 26.02.2026, 27.02.2026 & 02.03.2026
4	भुगतान एवं उपयोग	भुगतान करें और शौचालय का उपयोग करें	20.02.2026
		प्रतीक्षालय	05.03.2026
5	कैटरिंग	खानपान सेवाएं	02.03.2026 & 05.03.2026
6	अन्य एनएफआर	आपातकालीन चिकित्सा कक्ष	02.03.2026 & 04.03.2026
		एकल ब्रांड प्रीमियम स्टोर	28.02.2026 &05.03.2026
		मसाज कुर्सी	23.02.2026
		मोबाइल स्टोर	26.02.2026& 05.03.2026
		किराना स्टोर	26.02.2026& 05.03.2026
		डिजिटल लॉकर	20.02.2026 & 07.03.2026
		सहकार्य स्थान	24.02.2026
		प्रचार कियोस्क	06.03.2026

इसके अलावा विषय नीलामी के संबंध में, परिशिष्ट/शुद्धिपत्र, लॉट/कैटलॉग की वापसी, नीलामी की तिथि या समय में परिवर्तन, विस्तार, स्पष्टीकरण आदि, यदि कोई हो, केवल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। बोलीदाताओं को स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित रूप से वेबसाइट पर जाना चाहिए। 921

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

निर्देशक/आईटी/एफ.-605, दिनांक 20/02/2026

निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से निर्धारित बोली प्रपत्र में निम्नलिखित कार्य हेतु बोलियाँ आमंत्रित करते हैं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका सूचना प्रौद्योगिकी विभाग	
विभाग	निर्देशक (सूचना प्रौद्योगिकी)
बोली संख्या	2026_MCGM_1280254_1
विषय	एमसीजीएम कार्यालय हेतु AIO कंप्यूटर, प्रिंटर और स्कैनर का आपूर्ति, स्थापना एवं रखरखाव।
बोली आरंभ तिथि एवं समय	21/02/2026 सुबह 11:00 बजे
बोली समाप्ति तिथि एवं समय	27/02/2026 शाम 4:00 बजे तक
वेबसाइट	https://mahatenders.gov.in
संपर्क व्यक्ति	श्री.अनिकेत पाटील
संपर्क संख्या	022-22754068 9664000264
ईमेल	am01.it@mcgm.gov.in, director.it@mcgm.gov.in

आगंतुक योग्य बोलीकर्ता महाटेंडर पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर ई-निविदा संबंधी और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं या बृहन्मुंबई महानगरपालिका, आईटी विभाग निर्देशक कार्यालय, महापालिका मार्ग, फोर्ट, मुंबई-400001 के भूतल, संलग्न भवन से प्राप्त कर सकते हैं।

हस्ता/-
निर्देशक (आईटी)

पीआरओ/3044/विज्ञा./2025-26

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

पश्चिम रेलवे हर हफ्ते होली स्पेशल ट्रेनें चलाएगा

ट्रेन संख्या	शुरुआती स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
09075	मुंबई सेंट्रल - काठगोदाम (सुपरफास्ट)	25.02.2026 से 25.03.2026	10:55 बजे (बुधवार)	14:30 बजे (अगला दिन)
09076	काठगोदाम - मुंबई सेंट्रल (सुपरफास्ट)	26.02.2026 से 26.03.2026	17:30 बजे (गुरुवार)	21:00 बजे (अगला दिन)

ठहराव : बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, अछनेरा, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली जं., बरेली सिटी, इज्जतनगर, बहेड़ी, किच्छा, लालकुआं और हल्द्वानी स्टेशन दोनों दिशाओं में

रचना (कोच संरचना): एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर श्रेणी तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।

ट्रेन संख्या	शुरुआती स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
09185	मुंबई सेंट्रल - कानपुर अनवरगंज (सुपरफास्ट)	22.02.2026 से 29.03.2026	10:55 बजे (रविवार)	15:35 बजे (अगला दिन)
09186	कानपुर अनवरगंज - मुंबई सेंट्रल (सुपरफास्ट)	23.02.2026 से 30.03.2026	18:25 बजे (सोमवार)	22:30 बजे (अगला दिन)

ठहराव- (बोरीवली, वापी, वलसाड, वडोदरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, भरतपुर, मथुरा जंक्शन, मथुरा कैंट, हाथरस सिटी, कासगंज, फर्रुखाबाद, कन्नौज और बिल्हौर स्टेशन दोनों दिशाओं में (अतिरिक्त रूप से,ट्रेन संख्या 09185 का ठहराव सूरत स्टेशन पर भी रहेगा।)

रचना (कोच संरचना): एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर श्रेणी तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे।

ट्रेन संख्या	शुरुआती स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तारीखें	प्रस्थान	आगमन
09023	बांद्रा टर्मिनस - पालिताना	27.02.2026	21:45 बजे (शुक्रवार)	12:00 बजे (अगले दिन)
09024	पालिताना - बांद्रा टर्मिनस	01.03.2026	20:00 बजे (रविवार)	12:00 बजे (अगले दिन)

हॉल्टः बोरीवली, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, बोटाद, धोला, सोनगढ़ और सीहोर गुजरात स्टेशन दोनों दिशाओं में।

संरचना : AC 2-टियर, AC 3-टियर, स्लीपर क्लास और जनरल सेकंड क्लास कोच।

स्टॉपेज, रुकने का समय और कंपोजिशन के बारे में पूरी जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं।

ट्रेन नंबर 09075, 09185 09023 और 09024 की बुकिंग 21.02.2026 से सभी PRS काउंटर और IRCTC वेबसाइट पर शुरू होगी। ऊपर बताई गई ट्रेनें स्पेशल ट्रेन के तौर पर स्पेशल किराए पर चलेंगी।

पश्चिम रेलवे
wr.indianrailways.gov.in
हमें लाइक करें: और हमें फॉलो करें
facebook.com/WesternRly
X.com/WesternRly
Instagram.com/WesternRly
https://www.youtube.com/@WesternRly
https://bit.ly/WesternRailwayOfficial

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

बिटकॉइन घोटाला मामला

राज कुंद्रा को मिली जमानत

मुंबई। बिटकॉइन घोटाले से जुड़े मामले में सुनवाई करते हुए मुंबई की विशेष पीएमएलए अदालत ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा को जमानत दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर चार्जशीट पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने यह आदेश पारित किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस मामले में दुबई के कारोबारी राजेश सतीजा और राज कुंद्रा के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था। अदालत ने आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए दोनों को समन जारी किया था और 19 जनवरी को पेश होने का निर्देश दिया था। निर्धारित तिथि पर उपस्थित न होने के बाद, शुक्रवार को राज कुंद्रा अपने वकील प्रशांत पाटिल के साथ अदालत में पेश हुए और जमानत याचिका दायर की, जिसे सुनवाई के बाद मंजूर कर लिया गया। उल्लेखनीय है कि यह मामला वर्ष 2018 में पुणे के निगडी और नांदेड़ पुलिस थानों में दर्ज किया गया था। आरोप है कि 'वेरिएबल टेक प्राइवेट लिमिटेड' और 'गैनबिटकॉइन' के प्रमोटर अमित भारद्वाज ने बिटकॉइन माइनिंग के नाम पर निवेशकों को ऊंचे रिटर्न का लालच देकर करोड़ों रुपये की ठगी की थी।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

ए.सी.आर/एस/35807/एईएम दिनांक 20.02.2026

उद्धरण सूचना

आर/दक्षिण वार्ड के सहायक महानगर आयुक्त द्वारा कांदिवली (पश्चिम) में तालाब के गाद हटाने हेतु जेसीबी, डंपर एवं श्रमिकों की आपूर्ति के लिए सील बंद उद्धरण आमंत्रित किए जाते हैं। उद्धरण आर/दक्षिण वार्ड सहायक महानगर आयुक्त को संबोधित किया जाए तथा इस पर "कांदिवली (पश्चिम) में तालाब के गाद हटाने हेतु जेसीबी, डंपर एवं श्रमिकों की आपूर्ति हेतु उद्धरण" अंकित हो।

क्र. सं.	कार्य का नाम	उद्धरण जमा (ईएमडी)	जांच शुल्क	फॉर्म की बिक्री	जमा करने की नियत तिथि
1.	आर/दक्षिण वार्ड में कांदिवली (पश्चिम) में तालाब के गाद हटाने हेतु जेसीबी, डंपर एवं श्रमिकों की आपूर्ति	रु. 20,000/-	1452/- +18%जीएसटी (261.36/-) टोटल 1713.36/- 1714/-	21.02.2026 सुबह 11:00 बजे से 26.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक	26.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक

रिक्त उद्धरण फॉर्म, शर्तें एवं नियम, आवेदन फॉर्म ऊपर दिए गए पते पर एच.सी. (एक्सप.) से 21.02.2026 सुबह 11:00 बजे से 26.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक (छुट्टी को छोड़कर) रु. 1714/- भुगतान पर प्राप्त किया जा सकता है। नकद/डिमांड ड्राफ्ट में जमा करने की तिथि से पहले ऊपर दिए गए पते पर जमा किया जाना अनिवार्य है। चेक रूप में ईएमडी स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित लैकर सील आवेदन फॉर्म 21.02.2026 सुबह 11:00 बजे से 26.02.2026 दोपहर 1:00 बजे तक स्वीकार किया जाएगा।लैकर सील उद्धरण 26.02.2026 को दोपहर 1:00 बजे तक जमा किए जाने चाहिए तथा इन्हें 26.02.2026 को दोपहर 3:00 बजे खोला जाएगा।आर/दक्षिण वार्ड सहायक आयुक्त बिना कारण बताए किसी भी उद्धरण को बदलने या रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं।

पीआरओ/3057 /विज्ञा./2025-26

हस्ता/-
सहायक आयुक्त आर/एस

समय पर उपचार, बचाएं प्राण।

संपादकीय

ओझल हुआ सितारा

बंगला साहित्य के विराट आकाश का एक उज्ज्वल सितारा अब सदा के लिए ओझल हो गया। प्रख्यात साहित्यकार मणिशंकर मुखोपाध्याय, जिन्हें साहित्य जगत शंकर के नाम से जानता है, का 93 वर्ष की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। उनके जाने से केवल एक रचनाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत युग, एक चलता-फिरता इतिहास और संवेदनाओं से भरी एक पूरी दुनिया जैसे थम गई है। शंकर उन विरल रचनाकारों में थे जिन्होंने जीवन को दूर से नहीं, बहुत करीब से देखा और जिया। हावड़ा के एक साधारण मध्यवर्गीय परिवार से निकलकर उन्होंने संघर्षों के बीच अपनी राह बनाई। युवा अवस्था में नौकरी की तलाश में कोलकाता की सड़कों पर भटकते इस युवक ने जीवन की कठोर सच्चाइयों को बहुत जल्दी समझ लिया था। बैरिस्टर नोएल बारवेल के क्लर्क के रूप में काम करते हुए उन्होंने औपनिवेशिक परिवेश, सत्ता के गलियारों और मनुष्य के भीतर छिपे स्वार्थ व संवेदनाओं को निकट से देखा। यही अनुभव आगे चलकर उनकी रचनाओं की आधारशिला बने। उनकी पहली चर्चित कृति 'कतो अजानारे' केवल एक उपन्यास नहीं थी, बल्कि एक युवा मन की बेचैनी और खोज की कहानी थी। इस रचना ने उन्हें पाठकों के बीच पहचान दिलाई, लेकिन जिस कृति ने उन्हें अमर बना दिया, वह थी चौरंगी। यह उपन्यास एक होटल की दुनिया के बहाने शहर, समाज और मनुष्य के जटिल संबंधों का ऐसा जीवंत चित्र प्रस्तुत करता है, जो समय की सीमाओं से परे है। शाहजहां होटल के काल्पनिक संसार में साटा बोस, मार्को पोलो और करबी गा जैसे पात्र आज भी पाठकों की स्मृति में जीवित हैं। शंकर ने महानगर की चकाचौंध के पीछे छिपी अकेलेपन, महत्वाकांक्षा और नैतिक द्वंद्व की कहानी को जिस सहजता और गहराई से लिखा, वह भारतीय साहित्य में अद्वितीय है। शंकर की लेखनी की सबसे बड़ी विशेषता उसकी सादगी और यथार्थपरकता थी। वे कठिन से कठिन विषय को भी सरल, प्रवाहमयी भाषा में इस तरह प्रस्तुत करते थे कि पाठक स्वयं को कहानी का हिस्सा महसूस करने लगता था। मध्यवर्गीय समाज की आकांक्षाएं, सफलता की दौड़, नैतिक मूल्यों का क्षरण और कॉरपोरेट दुनिया की प्रतिस्पर्धा—इन सभी को उन्होंने बारीकी से उकेरा। उनकी रचनाएं केवल कथानक नहीं, बल्कि समय का दस्तावेज हैं। प्रख्यात फिल्मकार सत्यजीत रे ने उनकी दो महत्वपूर्ण कृतियों 'सीमाबद्ध' और 'जनअरण्य' को सिनेमा के माध्यम से नई ऊंचाई दी। इन फिल्मों ने यह सिद्ध कर दिया कि शंकर की कहानियों में दृश्यात्मक शक्ति कितनी प्रबल थी। उन्होंने आध्यात्मिक व्यक्तित्व को भी सामान्य मानवीय संवेदनाओं के साथ प्रस्तुत किया, जो उनकी गहरी अध्ययनशीलता और संवेदनशील दृष्टि का प्रमाण है। दीर्घ साहित्यिक जीवन में उन्हें अनेक सम्मान प्राप्त हुए। 'एका एका एकाशी' के लिए उन्हें साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बंगविभूषण सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजे गए शंकर पश्चिम बंगाल के शेरिफ पद पर भी आसीन रहे। किंतु इन सम्मानों से परे, उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि पाठकों का अपार स्नेह और विश्वास था। डिजिटल युग में भी शंकर की प्रासंगिकता बनी रही। नई पीढ़ी के पाठकों ने भी उनकी रचनाओं में अपने समय का प्रतिबिंब देखा। उनकी कहानियां यह सिखाती हैं कि साहित्य केवल कल्पना नहीं, बल्कि समाज का आईना है। उन्होंने दिखाया कि संघर्ष, असफलता और नैतिक प्रश्न ही मनुष्य को परिपक्व बनाते हैं। आज जब उनकी कलम सदा के लिए थम गई है, तब भी उनके शब्द जीवित हैं—पुस्तकों के पन्नों में, पाठकों की स्मृतियों में और उस शहर की धड़कनों में जिसे उन्होंने अपनी कहानियों में अमर कर दिया। शंकर का जाना निस्संदेह एक बड़ी क्षति है, पर उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को संवेदना, साहस और सत्य के साथ जीने की प्रेरणा देती रहेंगी। यही उन्हें सच्ची और स्थायी श्रद्धांजलि होगी।

धर्म से ऊपर मानवता के शासक

देवेंद्रनाथ जैसवार

शिवाजी महाराज का युग 17वीं शताब्दी का वह समय था जब भारत में मुगल सत्ता का प्रभाव था। उस दौर में सत्ता संघर्ष अक्सर धार्मिक रंग ले लेता था। किंतु शिवाजी महाराज ने अपने राज्य की नींव 'स्वराज्य' के सिद्धांत पर रखी—ऐसा राज्य जो प्रजा के हित में हो, न कि किसी एक धर्म या जाति के वर्चस्व के लिए। उनका संघर्ष किसी धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं।

आज के राजनीतिक विमर्श में अक्सर छत्रपति शिवाजी महाराज का नाम भगवा और हिंदुत्व की राजनीति के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। उन्हें केवल एक धार्मिक योद्धा या किसी विशेष समुदाय के नायक के रूप में सीमित कर देना इतिहास के साथ अन्याय है। वस्तुतः शिवाजी महाराज का व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक व्यापक, उदार और मानवतावादी था। वे न केवल एक अद्वितीय सैन्य रणनीतिकार थे, बल्कि न्याय, समानता और धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक भी थे।
शिवाजी महाराज का युग 17वीं शताब्दी का वह समय था जब भारत में मुगल सत्ता का प्रभाव था।
उस दौर में सत्ता संघर्ष अक्सर धार्मिक रंग ले लेता था। किंतु शिवाजी महाराज ने अपने राज्य की नींव 'स्वराज्य' के सिद्धांत पर रखी—ऐसा राज्य जो प्रजा के हित में हो, न कि किसी एक धर्म या जाति के वर्चस्व के लिए। उनका संघर्ष किसी धर्म विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध था। इतिहास के अनेक प्रमाण बताते हैं कि शिवाजी महाराज ने अपने शासन में सभी धर्मों के लोगों को समान सम्मान दिया। उनकी सेना और प्रशासन में मुस्लिम अधिकारी उच्च पदों पर आसीन थे। सिद्दी हिलाल, दौलत खान और इब्राहिम खान जैसे सेनानायक उनके विश्वस्त सहयोगी थे। उनके नौसेना प्रमुख दारिया सरंग भी मुस्लिम थे। यदि शिवाजी महाराज संकीर्ण धार्मिक सोच रखते, तो वे कभी भी इस प्रकार विविध धर्मों के लोगों को नेतृत्व की जिम्मेदारी न सौंपते।
सबसे महत्वपूर्ण उदाहरण महिलाओं और धार्मिक स्थलों के प्रति उनका आचरण है। युद्ध के दौरान उन्होंने स्पष्ट आदेश दिए थे कि किसी भी मस्जिद, दरगाह या पवित्र स्थल को क्षति न पहुंचाई जाए।
जब सूरत पर आक्रमण हुआ, तब भी धार्मिक स्थलों को सुरक्षित रखने का निर्देश दिया गया। महिलाओं के सम्मान की रक्षा उनके लिए सर्वोपरि थी—चाहे वे किसी भी धर्म की हों। एक प्रसंग में, जब एक मुस्लिम महिला को युद्ध में बंदी बनाकर उनके सामने लाया गया, तो उन्होंने उसे सम्मानपूर्वक उसके परिवार के पास भेजने का आदेश दिया। यह घटना उनकी उच्च नैतिकता का प्रमाण है।
शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक 1674 में हुआ, जिसमें उन्होंने स्वयं को 'हिंदवी स्वराज्य' का संस्थापक बताया।
'हिंदवी' शब्द का अर्थ संकीर्ण धार्मिक पहचान नहीं, बल्कि भारतीयता की भावना था। उनके शासन में कर व्यवस्था न्यायसंगत थी, किसानों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई, और प्रशासनिक ढांचा पारदर्शी बनाया गया। उन्होंने स्थानीय भाषा मराठी को प्रशासन में स्थान देकर जनता को सशक्त किया।
यह भी उल्लेखनीय है कि शिवाजी महाराज ने अपने विरोधियों के साथ

भी मानवीय व्यवहार किया। जब उन्होंने अफजल खान का सामना किया, तब वह एक राजनीतिक और सैन्य संघर्ष था, धार्मिक युद्ध नहीं। उन्होंने कभी भी आम मुसलमानों के विरुद्ध हिंसा का समर्थन नहीं किया। उनके पत्रों और आदेशों में स्पष्ट झलकता है कि वे सभी प्रजाजनों को समान दृष्टि से देखते थे।
आज जब शिवाजी महाराज के नाम पर विभाजनकारी राजनीति की जाती है, तब हमें उनके वास्तविक आदर्शों को याद करना चाहिए। वे साहस और स्वाभिमान के प्रतीक थे, पर साथ ही करुणा और सहिष्णुता के भी। उनका स्वराज्य केवल हिंदुओं के लिए नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए था जो न्याय और सम्मान के साथ जीना चाहता था। उनकी नीतियों में धर्मनिरपेक्षता आधुनिक अर्थों में भले न हो, किंतु व्यवहारिक स्तर पर वे एक समावेशी शासक थे। उन्होंने कभी भी धर्म को शासन का हथियार नहीं बनाया। उनके लिए राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रजा का कल्याण था। यही कारण है कि वे केवल मराठा समाज के नायक नहीं, बल्कि सम्पूर्ण भारत के प्रेरणास्रोत बने। इतिहास को राजनीतिक लाभ के लिए संकीर्ण दृष्टि से देखना उचित नहीं। शिवाजी महाराज की विरासत हमें यह सिखाती है कि सच्चा नेतृत्व वह है जो विविधताओं को साथ लेकर चले, न्याय को सर्वोपरि रखे और मानवता को धर्म से ऊपर स्थान दे। यदि आज के राजनेता उनके आदर्शों को समझें, तो समाज में विभाजन की जगह एकता और सौहार्द की भावना सुदृढ़ हो सकती है। अंततः, छत्रपति शिवाजी महाराज को केवल भगवा राजनीति के प्रतीक के रूप में सीमित करना उनके विराट व्यक्तित्व का अपमान है। वे मानवता, न्याय और समावेशिता के महान शासक थे। उनका जीवन हमें यह संदेश देता है कि सच्चा स्वराज्य वही है, जहां हर नागरिक को समान अधिकार, सुरक्षा और सम्मान प्राप्त हो—चाहे उसका धर्म, जाति या पंथ कुछ भी हो।

हमारी गीता

अविवेक का शंखनाद और सात्त्विक धैर्य

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

श्रीमद्भगवद्गीता के युद्ध का प्रारंभ केवल दो सेनाओं का मिलन नहीं, बल्कि दो भिन्न प्रवृत्तियों का टकराव है। युद्धभूमि में पांडवों की विशाल और व्यवस्थित सेना को देखकर दुर्योधन के भीतर का भय जाग उठा। वह अपनी घबराहट को छिपाने के लिए कपटपूर्वक गुरु द्रोण की शरण में गया, किंतु वहां उपेक्षा मिलने पर उसने भीष्म पितामह की प्रशंसा शुरू कर दी। वास्तव में, यह प्रशंसा नहीं बल्कि उसकी असुरक्षा से जन्मी निंदा थी। यहाँ 'धृतराष्ट्र' केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि उस मानसिकता का प्रतीक है जिसने सत्ता और राष्ट्र को अनुचित ढंग से पकड़ रखा है। कायदे से, आक्रमण पांडवों की ओर से होना चाहिए था क्योंकि उनका राज्य छीना गया था। किंतु युद्ध की पहल कौरवों की ओर से हुई। यह अपराधी मन का मनोविज्ञान है—जो दोषी होता है, वह अपनी हार के डर से पहले प्रहार करता है। क्रोधी और तामसी लोग बिना कारण आक्रामक हो जाते हैं, जबकि सात्त्विक व्यक्ति ठेस पहुँचने पर भी क्षमाशील बना रहता है।

दुर्योधन को भय से निकालने के लिए भीष्म पितामह ने सिंह के समान शंखनाद किया, जिससे प्रेरित होकर अन्य रणवाद्य बज उठे। अविवेक और भय की स्थिति में मनुष्य अक्सर वही करता है जो उसे नहीं करना चाहिए, ठीक उस कर्मचारी की तरह जो बॉस के आने के डर से घबराहट में पेन खिड़की के बाहर फेंक देता है। कौरवों का वह कोलाहल उनके अंतर्मन के भय और अनिश्चितता का शोर था। आश्चर्य की बात यह है कि कौरवों के उस भीषण सिंहनाद और वाद्ययंत्रों के शोर ने पांडवों के मन में कोई विक्षोभ या घबराहट पैदा नहीं की। जहाँ अधर्म के पक्ष में शोर और भय था, वहीं धर्म के पक्ष में गहरा धैर्य और आत्मबल। यहाँ धृतराष्ट्र के प्रश्न का उत्तर पूर्ण होता है कि युद्ध के मैदान में उसके पुत्रों ने अपनी असुरक्षा को शंखनाद के पीछे छिपाने का प्रयास किया।

शख्सियत

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

संघर्ष, स्वाभिमान और सृजन का अमर प्रतीक

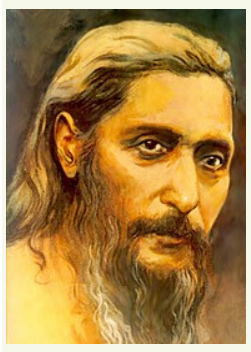

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला हिंदी साहित्य के उन विरल रचनाकारों में हैं जिनका जीवन स्वयं एक महाकाव्य जैसा प्रतीत होता है। उनका जन्म 21 फरवरी 1896 को बंगाल के मेदिनीपुर जनपद में हुआ।

प्रारंभिक जीवन से ही उन्हें अभाव और विपत्तियों का सामना करना पड़ा। बाल्यावस्था में माता का निधन हो गया, युवावस्था में पत्नी का साथ छूट गया और आगे चलकर पुत्री सरोज की मृत्यु ने उनके जीवन को गहरे शोक में डुबो दिया। आर्थिक संकट, सामाजिक उपेक्षा और पारिवारिक दुखों ने उन्हें कई बार तोड़ा, किंतु वे हर बार और अधिक दृढ़ होकर उभरे। निराला का व्यक्तित्व असाधारण था। वे केवल कवि नहीं, बल्कि संवेदनशील चिंतक और साहसी मनुष्य थे। जीवन की कठिनाइयों ने उनकी दृष्टि को व्यापक बनाया। उन्होंने अपने व्यक्तिगत दुखों को समाज की पीड़ा से जोड़ दिया। यही कारण है कि उनकी रचनाओं में करुणा, विद्रोह और मानवता का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनकी प्रसिद्ध कविता "वह तोड़ती पत्थर" में श्रमशील स्त्री के माध्यम से समाज के शोषित वर्ग की व्यथा का सजीव चित्रण मिलता है। "सरोज स्मृति" में पुत्री-वियोग की गहन वेदना है, पर साथ ही जीवन की नश्वरता का गंभीर बोध भी। निराला ने अपने आंसुओं को शब्दों में ढालकर साहित्य को नई ऊंचाई दी। उनका काव्य केवल भावुकता नहीं, बल्कि चेतना और जागरण का आह्वान है। छायावाद के प्रमुख स्तंभों में गिने जाने वाले निराला ने भाषा और शैली में अनेक नवीन प्रयोग किए। उन्होंने साहित्य को रूढ़ परंपराओं से मुक्त करने का साहस दिखाया। उनकी कविता में प्रकृति की मधुरता है तो सामाजिक अन्याय के विरुद्ध तीखा प्रतिरोध भी। वे मानते थे कि साहित्य केवल सौंदर्य का साधन नहीं, बल्कि समाज परिवर्तन का माध्यम है। निराला का स्वाभिमान उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता थी। उन्होंने कभी किसी सत्ता, संस्था या व्यक्ति के सामने आत्मसमर्पण नहीं किया। आर्थिक तंगी के दिनों में भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वे स्वतंत्र चिंतन के पक्षधर थे और अन्याय के विरोध में निर्भीक होकर लिखते थे। यही निर्भीकता उन्हें युगद्रष्टा बनाती है। उनकी रचनाओं में दलितों, वंचितों और श्रमिकों की आवाज स्पष्ट सुनाई देती है। उन्होंने समाज की विषमताओं पर करारा प्रहार किया और मानवीय मूल्यों की स्थापना का प्रयास किया। उनके शब्दों में एक ओर करुणा है तो दूसरी ओर क्रांति का स्वर भी। वे मानव गरिमा के सच्चे उपासक थे। निराला का जीवन हमें यह सिखाता है कि विपत्तियां मनुष्य को पराजित नहीं करतीं, बल्कि उसे निखारती हैं। यदि व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, स्वाभिमान और सत्य के प्रति निष्ठा हो, तो वह हर संकट को शक्ति में बदल सकता है। निराला ने अभावों के बीच रहकर भी अपनी सृजनशीलता को कभी क्षीण नहीं होने दिया। आज भी उनकी रचनाएं हमें प्रेरित करती हैं कि जीवन की कठिन राहों पर चलते हुए अपने मूल्यों को न छोड़ा जाए। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि महानता सुविधाओं से नहीं, बल्कि संघर्ष और संकल्प से प्राप्त होती है।

जीवन ऊर्जा

मदर मिरा अल्फ़ासा : जन्म -21 फरवरी, 1878

जन्म

मदर मिरा अल्फ़ासा का जन्म 21 फरवरी, 1878 को पेरिस (फ्रांस) में हुआ था। उन्हें 'द मदर' के नाम से जाना जाता है और वे एक महान आध्यात्मिक गुरु थीं, जिन्होंने 1914 में पुडुचेरी आकर श्री अरविंद के साथ आध्यात्मिक मार्ग को अपनाया। उन्होंने श्री अरविंद आश्रम की व्यवस्था संभाली और अंतरराष्ट्रीय शहर 'ऑरोविले' की नींव रखने में मुख्य भूमिका निभाई, जिसके बाद 17 नवंबर, 1973 को पुडुचेरी में उनका निधन हुआ।

बिना शर्त प्रेम ब्रह्मांड की सबसे बड़ी शक्ति है

चेतना ही वह कुंजी है जो जीवन के सभी बंद दरवाजों को खोलती है। सत्य की खोज के लिए सबसे पहले अपने भीतर की शांति को खोजें। अध्यात्म कोई पलायन नहीं, बल्कि जीवन को और अधिक पूर्णता से जीने की कला है। हम जो सोचते हैं, अंततः वही बन जाते हैं। परिवर्तन के लिए बाहरी परिस्थितियों से पहले अपने अंतर्मन को बदलें। ईश्वर को कहीं बाहर नहीं, अपने हृदय की गहराई में खोजें। पूर्ण समर्पण ही वह मार्ग है जो आपको दिव्यता से जोड़ता है। आपका जीवन दिव्य संकल्प को प्रकट करने का एक माध्यम होना चाहिए। प्रार्थना केवल शब्द नहीं, बल्कि हृदय की एक पुकार है। दिव्य कृपा हमेशा हमारे साथ है, बस हमें उसे ग्रहण करने के लिए तैयार रहना होगा। बिना शर्त प्रेम ही इस ब्रह्मांड की सबसे बड़ी शक्ति है। दूसरों की सेवा करना स्वयं को ईश्वर के करीब ले जाने का तरीका है। करुणा का अर्थ है दूसरों के दुखों को अपना समझना। जहाँ प्रेम है, वहाँ डर के लिए कोई जगह नहीं होती। सच्चा प्रेम कभी कुछ मांगता नहीं, वह केवल देना जानता है। एकाग्रता वह शक्ति है जो असंभव को भी संभव बना देती है। आत्म-संयम ही सच्ची स्वतंत्रता का आधार है। मौन में ही सबसे महान सत्यों का

जन्म होता है। आलस्य चेतना का सबसे बड़ा शत्रु है। हर दिन को एक नया अवसर समझें और अपनी प्रगति का मूल्यांकन करें। भय केवल एक भ्रम है, जो हमें हमारी असीम शक्तियों से दूर रखता है। कठिनाइयाँ हमारे विकास के लिए सीढ़ियाँ हैं, बाधाएं नहीं। साहस का अर्थ भय की अनुपस्थिति नहीं, बल्कि भय पर विजय पाना है। चिंता करने से कोई समस्या हल नहीं होती, केवल आपकी ऊर्जा नष्ट होती है। शांति का अनुभव करने के लिए मन के शोर को शांत करना होगा। कार्य को ईश्वर की पूजा समझकर करें। पूर्णता छोटे-छोटे कार्यों को पूरी निष्ठा से करने में है। आपका शरीर एक मंदिर है, इसकी पवित्रता बनाए रखें। मुस्कान वह भाषा है जो बिना बोले ही सब कुछ कह देती है। भूतकाल की गलतियों से सीखें, लेकिन उनमें उलझें नहीं। भविष्य उन लोगों का है जो अपनी आत्मा की आवाज सुनते हैं। मानवता को एक नई चेतना की ओर बढ़ने की आवश्यकता है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

जीव का अंतिम लक्ष्य और प्रभु की अनन्य कृपा

सृष्टि का यह शाश्वत नियम है कि प्रत्येक वस्तु अपने उद्गम की ओर ही वापस लौटती है। जिस प्रकार पर्वत की चोटियों से निकलने वाली नदियों का अंतिम गंतव्य और विश्राम केवल अथाह सागर होता है, ठीक उसी प्रकार इस चराचर जगत के प्रत्येक जीव का अंतिम लक्ष्य परमात्मा में विलीन होना है।
नदी चाहे टेढ़ी-मेढ़ी चले या सीधे मार्ग से, उसकी हर लहर उसे समुद्र की ओर ही ले जाती है। मानव जीवन की सार्थकता भी इसी बोध में है कि वह स्वयं को उस विराट चैतन्य का एक अंश समझे और अंततः उसी में समाहित होने का प्रयास करे। प्रायः मनुष्य अपने कर्मों के बोझ तले दबा रहता है। वह स्वयं को पापी या पुण्यात्मा, सज्जन या दुर्जन की श्रेणियों में विभाजित कर प्रभु से अपनी दूरी तय करने लगता है। किंतु भक्ति का मार्ग कहता है कि प्रभु के लिए कोई भी जीव पराया नहीं है।
जैसे एक माँ के लिए उसका बालक चाहे जैसा भी हो, वह उसे अपनी गोद से दूर नहीं करती, वैसे ही ईश्वर को केवल जीव के 'अपनेपन' की प्रतीक्षा है। आप जैसे भी हैं—अपनी दुर्बलताओं, दोषों और अच्छाइयों के साथ—बस उनके होकर रहें। जब जीव पूर्णतः प्रभु का हो जाता है, तो उसके पूर्वकृत कर्मों का भार स्वयं ईश्वर वहन करते हैं।
साधना के मार्ग पर दो बड़ी बाधाएँ हैं: हीन भाव और अहम भाव। यदि हम निरंतर अपनी बुराइयों और दुर्बलताओं का चिंतन करेंगे, तो मन में ग्लानि और हीनता घर कर जाएगी, जो हमें आगे बढ़ने से रोकेगी। इसके विपरीत, यदि हम अपने सत्कर्मों, दान और गुणों का बखान करेंगे, तो सूक्ष्म अहंकार हमें घेर लेगा। अहंकार भक्ति का सबसे बड़ा शत्रु है। वास्तविकता तो यह है कि जीव की अपनी कोई स्वतंत्र सामर्थ्य नहीं है। हमारे भीतर जो भी शुभ है, जो भी सद्गुण हैं, वे सब प्रभु की ही कृपा के प्रतिफल हैं।
इस सत्य को स्वीकार करते ही अहंकार गल जाता है और हीनता समाप्त हो जाती है। संसार की माया अत्यंत प्रबल है। काम, क्रोध, लोभ और विषय-वासनाओं के जाल से स्वयं के बल पर मुक्त होना लगभग असंभव है। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई व्यक्ति दलदल में फंसकर स्वयं के बाल खींचकर बाहर निकलने की कोशिश करे।
माया पर विजय प्राप्त करने का एकमात्र साधन 'गोविन्द की कृपा' है। जब हम अपनी असमर्थता स्वीकार कर उन्हें पुकारते हैं, तब उनकी कृपा का बल हमें इन विकारों से ऊपर उठा देता है। उनकी कृपा ही वह कवच है जो माया के प्रहारों को निष्फल कर देती है। एक भक्त का जीवन केवल एक लक्ष्य के प्रति समर्पित होना चाहिए—प्रभु चरणों में बढ़ती हुई प्रीति। संसार में रहते हुए भी हमारा मन संत वचनों में अडिग विश्वास रखे और प्रभु की कथाओं में निरंतर अनुराग (प्रेम) बढ़ता रहे।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

कुछ लोग सनातन को तोड़ने की साजिश रच रहे हैं,जिसका साथ संत समाज कभी नहीं देगा।शंकराचार्य का निशाना केवल योगी आदित्यनाथ हैं, लेकिन संत समाज ऐसी किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने देगा। उचित समय आने पर सरकार खुद गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करेगी, इसके लिए माहौल खराब करना गलत है।

आचार्य प्रमोद कृष्णम
मठाधीश, कल्कि पीठ

गोगोई एक सकारात्मक व्यक्ति हैं और राजनीति में सकारात्मकता लाना चाहते हैं।इसीलिए उन पर ऐसे हमले हो रहे हैं। असम के लोग यह समझते हैं। लेकिन गौरव और उनके परिवार पर हमले गलत राजनीति है। किसी को भी परिवार और बच्चों पर हमला नहीं करना चाहिए।'

प्रियंका गांधी
सांसद,कांग्रेस

अगर इस पार्टी के कर्ताधर्ता असहमति के स्वर का सामना नहीं कर सकते तो यह मुख्य विपक्षी दल के लिए 'विनाशकारी है' और पार्टी को शासन करने का कोई अधिकार नहीं है। वह राहुल गांधी के मुंह से राजीव गांधी का 1989 में दिया वह बयान फिर से दिलवाएं कि सिर्फ धर्मनिरपेक्ष भारत ही कायम रह सकता है।

मणिशंकर अय्यर
वरिष्ठ नेता
कांग्रेस

जब मैंने शरद पवार से बात की, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से राज्यसभा में लौटने की इच्छा व्यक्त की। वह चुनाव लड़ने के लिए तैयार हैं। जब उनके जैसा कोई वरिष्ठ नेता इस तरह का इरादा दिखाता है, तो गठबंधन के भीतर इस पर गंभीरता से चर्चा करने की आवश्यकता होती है।

संजय राउत
नेता, शिवसेना
(यूबीटी)

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

खारबाओ में 21 और 22 फरवरी को पावर ब्लॉक

मुंबई। मध्य रेल के मुंबई मंडल द्वारा डीएफसीसीआईएल परियोजना के तहत खारबाओ में नई अप एवं डाउन मालगाड़ी लाइन के कमीशनिंग कार्य के लिए 21/22 फरवरी 2026 (शनिवार-रविवार) को विशेष यातायात एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक 21 फरवरी को दोपहर 12:30 बजे से 22 फरवरी को सुबह 07:30 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस अवधि में डाउन दिशा की 69161 पनवेल–दहानू रोड मेमू (21.02.2026), 61006 दिवा–वसई रोड मेमू (21.02.2026) और 61002 डोंबिवली सेंट्रल केबिन–बोइसर मेमू (22.02.2026) रद्द रहेंगी, जबकि अप दिशा की 61007 वसई रोड–दिवा मेमू (21.02.2026), 69166 वसई रोड–पनवेल मेमू (21.02.2026), 61001 बोईसर–वसई रोड मेमू (22.02.2026) और 61003 वसई रोड–दिवा मेमू (22.02.2026) निरस्त रहेंगी। 22 फरवरी को चलने वाली 69164 दहानू रोड–पनवेल मेमू को कामन रोड पर 10 मिनट रेगुलेट किया जाएगा, जबकि 22178 सिकंदराबाद-राजकोट एक्सप्रेस (21.02.2026) को भिवंडी रोड पर 1 घंटा 30 मिनट रोका जाएगा। ब्लॉक अवधि में इस खंड से गुजरने वाली अन्य मेल/एक्सप्रेस और यात्री ट्रेनें 25 से 30 मिनट विलंबित हो सकती हैं।

22 फरवरी को दिवसकालीन ब्लॉक नहीं, रात में जम्बो ब्लॉक

मुंबई। पश्चिम रेलवे ने स्पष्ट किया है कि रविवार, 22 फरवरी 2026 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं लिया जाएगा। हालांकि रेलपथ, सिगनलिंग और ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव के लिए 21/22 फरवरी की मध्यरात्रि को वसई रोड और विरार स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 00:15 बजे से 04:15 बजे तक चार घंटे का जम्बो ब्लॉक रहेगा। इसके अलावा बोरीवली और दहिसर स्टेशनों के बीच सभी लाइनों पर 02:10 बजे से 04:10 बजे तक नए फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) के गर्डर लॉन्चिंग हेतु मेजर ब्लॉक लिया जाएगा। ब्लॉक अवधि में धीमी लाइनों की सभी उपनगरीय ट्रेनें वसई रोड–विरार के बीच फास्ट लाइनों पर चलाई जाएंगी। इस दौरान ट्रेन संख्या 19038 बरौनी–बांद्रा टर्मिनस अवध एक्सप्रेस 1 घंटे, 22946 ओखा–मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल 45 मिनट, 22904 भुज–बांद्रा टर्मिनस एसी सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 मिनट रेगुलेट होगी, जबकि 90006 और 90018 विरार–चर्चगेट लोकल 15-15 मिनट विलंब से चलेंगी। कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त भी रहेंगी, जिसकी जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है।

पश्चिम रेलवे चलाएगी छह जोड़ी होली स्पेशल ट्रेनें

राजकोट-महबूबनगर स्पेशल के फेरे बढ़ाए गए

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

होली के त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या और परिवहन की मांग को देखते हुए पश्चिम रेलवे ने छह जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। इन ट्रेनों के संचालन से उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात, मध्य प्रदेश और दिल्ली जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने बताया कि होली के अवसर पर यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष किराए पर ये ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इनमें मुंबई, उधना, साबरमती और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों से विभिन्न गंतव्यों के लिए सीधी कनेक्टिविटी दी गई है। सभी ट्रेनों में एसी, स्लीपर और जनरल कोच की व्यवस्था की गई है ताकि हर वर्ग के यात्री सफर कर सकें।

मुंबई से काठगोदाम और कानपुर के लिए सुपरफास्ट सेवा

मुंबई सेंट्रल से काठगोदाम के लिए साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (09075/76) 25 फरवरी से शुरू होकर मार्च के अंत तक 10 फेरे लगाएगी। यह ट्रेन बरेली और मथुरा जैसे महत्वपूर्ण स्टेशनों को कवर करेगी। इसी तरह, मुंबई सेंट्रल से कानपुर अनवरगंज (09185/86) के बीच 12 फेरे लगाए जाएंगे, जो रविवार को मुंबई से रवाना होकर सोमवार को कानपुर पहुँचेगी।

साबरमती से हरिद्वार के लिए विशेष कनेक्टिविटी

श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा हेतु साबरमती से हरिद्वार के बीच साप्ताहिक स्पेशल (09425/26) चलाई जाएगी। 23 फरवरी से 24 मार्च के बीच चलने वाली यह ट्रेन राजस्थान के आबू रोड, अजमेर और जयपुर के साथ-साथ दिल्ली कैंट और मेरठ सिटी जैसे स्टेशनों पर रुकेगी। यह ट्रेन उत्तर भारत की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प होगी।

इंदौर से दिल्ली के लिए द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट

मध्य प्रदेश के यात्रियों के लिए इंदौर से हजरत निजामुद्दीन (09309/10) के बीच द्वि-साप्ताहिक सेवा उपलब्ध कराई गई है। यह ट्रेन सप्ताह में दो दिन (शुक्रवार और रविवार) इंदौर से चलेगी और उज्जैन, कोटा व मथुरा होते हुए दिल्ली पहुँचेगी। मार्च के अंत तक इस ट्रेन के कुल 20 फेरे निर्धारित किए गए हैं, जो दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए यात्रा सुगम बनाएंगे।

बांद्रा टर्मिनस – पालिताना साप्ताहिक स्पेशल

गुजरात के यात्रियों के लिए बांद्रा टर्मिनस से पालिताना के बीच विशेष ट्रेन (09023/24) के दो फेरे संचालित किए जाएंगे। यह ट्रेन 27 फरवरी को बांद्रा से प्रस्थान करेगी और बोरीवली, सूरत व अहमदाबाद होते हुए पालिताना पहुँचेगी। वापसी में यह 1 मार्च को पालिताना से रवाना होगी, जिससे सप्ताहांत में यात्रा करने वाले यात्रियों को काफी सुविधा होगी।

उधना से मालदा टाउन के बीच लंबी दूरी की ट्रेन

दक्षिण गुजरात के उधना स्टेशन से पश्चिम बंगाल के मालदा टाउन के लिए विशेष साप्ताहिक ट्रेन (03418/17) घोषित की गई है। यह ट्रेन 2 मार्च से 23 मार्च के बीच कुल 8 फेरे लगाएगी। इसका मार्ग इटारसी, जबलपुर, गया और भागलपुर जैसे प्रमुख स्टेशनों से होकर गुजरेगा, जो बिहार और बंगाल जाने वाले यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण लिंक साबित होगा।

'है शपथ! शहर को रखेंगे स्वच्छ'

स्वच्छता की शपथ के साथ अभियान का शुभारंभ

डीबीडी संवाददाता I भाईंदर

मीरा भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) द्वारा शहर में गहन स्वच्छता अभियान की शुरुआत की गई है। महापौर डिंपल विनोद मेहता और आयुक्त राधाबिनोद शर्मा के निर्देश पर वार्ड समिति क्रमांक 5 में महापौर के नेतृत्व में अधिकारियों और नगरसेवकों ने स्वच्छता की शपथ लेकर अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 को ध्यान में रखते हुए शहर को स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

आधुनिक मशीनों से प्रभावी सफाई

सफाई कार्य को अधिक प्रभावी बनाने के लिए जेटिंग मशीन, सक्शन मशीन और सड़क सफाई मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग किया गया। शहर की सुंदरता बिगाड़ रहे अवैध पोस्टर, बैनर और स्टिकर भी हटाए गए। प्रशासन का उद्देश्य स्वच्छता व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ करना है।

'रेड स्पॉट' और 'येलो स्पॉट' पर कार्रवाई

अभियान के तहत 'रेड स्पॉट' में थूक से गंदे किए गए स्थानों की सफाई की गई, जबकि 'येलो स्पॉट' के अंतर्गत खुले में लघुशंका से प्रभावित स्थलों को स्वच्छ किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई भी की गई है, ताकि स्वच्छता के प्रति अनुशासन कायम रहे। महापौर डिंपल मेहता ने बताया कि "डीप क्लीन अभियान" एक साप्ताहिक विशेष पहल है और इसे नियमित रूप से जारी रखा जाएगा।

हर शुक्रवार चलेगा सुनियोजित सफाई अभियान

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चयनित क्षेत्रों में प्रत्येक शुक्रवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। हालिया चरण में वार्ड समिति क्रमांक 5 के अंतर्गत 10 स्थानों पर विशेष सफाई कार्य किया गया। अभियान में सार्वजनिक सड़कों, फुटपाथों, नालियों, बाजारों, कचरा केंद्रों और भीड़भाड़ वाले स्थानों को प्राथमिकता दी गई।

बोईसर-पालघर स्टेशनों के बीच ब्लॉक

पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

पश्चिम रेलवे के बोईसर और पालघर स्टेशनों के बीच बुनियादी ढांचे के रखरखाव और आर.एच. गर्डर लॉन्च करने के लिए आगामी सप्ताहांत में विशेष ट्रैफिक ब्लॉक लिया जाएगा। इस कार्य के कारण मुंबई उपनगरीय और लंबी दूरी की कई ट्रेनों के परिचालन समय में बदलाव किया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, यह ब्लॉक 21/22 फरवरी और 22/23 फरवरी 2026 की मध्यरात्रि में लिया जाएगा। शनिवार रात (21/22 फरवरी) को अप और डाउन दोनों लाइनों पर रात 11:15 से तड़के 02:45 बजे तक साढ़े तीन घंटे का ब्लॉक होगा। वहीं, रविवार रात (22/23 फरवरी) को डाउन लाइन पर रात 02:10 से सुबह 05:25 बजे तक काम चलेगा। इस दौरान गर्डर लॉन्चिंग जैसे महत्वपूर्ण तकनीकी कार्य पूरे किए जाएंगे।

लोकल ट्रेनें निरस्त और मेमू प्रभावित

इस ब्लॉक का सबसे सीधा असर पालघर-दहानू क्षेत्र के दैनिक यात्रियों पर पड़ेगा। शनिवार, 21 फरवरी को विरार से रात 21:20 बजे छूटने वाली ट्रेन संख्या 93039 (विरार-दहानू रोड) और दहानू से रात 22:45 बजे चलने वाली ट्रेन संख्या 93042 (दहानू रोड-विरार) पूरी तरह निरस्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त, विरार-दहानू रोड मेमू (69173) को भी मार्ग में 30 मिनट रोककर (रेगुलेट) चलाया जाएगा, जिससे यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में देरी हो सकती है।

लंबी दूरी की एक्सप्रेस ट्रेनों का रेगुलेशन

ब्लॉक के कारण गुजरात और उत्तर भारत की ओर जाने वाली कई प्रमुख एक्सप्रेस ट्रेनें प्रभावित होंगी। पुणे-अहमदाबाद एक्सप्रेस (12298) को सबसे अधिक 1 घंटा मार्ग में रोका जाएगा। इसके अलावा बांद्रा टर्मिनस-जामनगर एक्सप्रेस 50 मिनट, दादर-भुसावल और बांद्रा-हरिद्वार एक्सप्रेस 40-40 मिनट की देरी से चलेंगी। बांद्रा-बरौनी और बोरीवली-नंदुरबार एक्सप्रेस के समय में भी 25 से 30 मिनट की वृद्धि होगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना इन संशोधित समयों के अनुसार ही बनाएं।

22 फरवरी को मध्य रेल के मुंबई मंडल पर मेगा ब्लॉक

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मध्य रेल के मुंबई मंडल में 22.02.2026 को विभिन्न इंजीनियरिंग एवं रखरखाव कार्यों के लिए उपनगरीय खंडों पर मेगा ब्लॉक लिया जाएगा। मेन लाइन पर मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच अप और डाउन स्लो लाइन पर सुबह 11:00 बजे से शाम 16:00 बजे तक ब्लॉक रहेगा। इस दौरान सीएसएमटी से 10:04 बजे से 15:09 बजे तक चलने वाली डाउन स्लो सेवाएं मुलुंड–ठाणे के बीच डाउन फास्ट लाइन पर डायवर्ट होंगी और ठाणे पर पुनः स्लो लाइन पर लाई जाएंगी, जिससे गंतव्य पर लगभग 10 मिनट की देरी होगी। वहीं कल्याण से 10:36 बजे से 15:24 बजे तक की अप स्लो सेवाएं ठाणे–मुलुंड के बीच अप फास्ट लाइन पर डायवर्ट की जाएंगी और मुलुंड पर पुनः स्लो लाइन पर लौटेंगी। इसके अलावा सीएसएमटी से 11:00 बजे से 17:00 बजे के बीच चलने वाली सभी अप और डाउन स्लो सेवाएं करीब 10 मिनट देरी से पहुंचेंगी।

हार्बर और ट्रांस हार्बर लाइन पर असर

हार्बर लाइन पर पनवेल और वाशी स्टेशनों के बीच (पोर्ट लाइन को छोड़कर) सुबह 11:05 बजे से शाम 16:05 बजे तक अप और डाउन दिशा में ब्लॉक रहेगा। पनवेल से 10:33 बजे से 15:49 बजे तक सीएसएमटी की ओर जाने वाली अप सेवाएं तथा सीएसएमटी से 9:45 बजे से 15:12 बजे तक बेलापुर/पनवेल की ओर जाने वाली डाउन सेवाएं रद्द रहेंगी। ट्रांस हार्बर लाइन पर पनवेल से 11:02 बजे से 15:53 बजे तक ठाणे की ओर जाने वाली अप सेवाएं और ठाणे से 10:01 बजे से 15:20 बजे तक पनवेल की ओर जाने वाली डाउन सेवाएं निरस्त रहेंगी।

वैकल्पिक व्यवस्थाएं

ब्लॉक अवधि में सीएसएमटी–वाशी खंड पर विशेष लोकल सेवाएं चलाई जाएंगी, जबकि ठाणे–वाशी/नेरुल के बीच ट्रांस हार्बर सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। पोर्ट लाइन की सेवाएं भी सामान्य रूप से संचालित होंगी।

परदेस नहीं, गांव-गुवार में खेलेंगे होली

होली के लिए चलाई जाएंगी 24 अतिरिक्त विशेष ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

होली के दौरान बढ़ती यात्री भीड़ को देखते हुए मध्य रेल ने 24 अतिरिक्त विशेष ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। ये ट्रेनें लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) मुंबई–कानपुर तथा पुणे/हडपसर–झांसी मार्ग पर चलाई जाएंगी। इससे पहले रेलवे 216 होली विशेष ट्रेनें (186 होली विशेष और 30 अतिरिक्त) घोषित कर चुका है। इन 24 नई सेवाओं के साथ अब तक घोषित होली विशेष ट्रेनों की कुल संख्या 240 हो गई है।

एलटीटी–कानपुर साप्ताहिक सुपरफास्ट (8 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 04152 प्रत्येक शनिवार 7 मार्च से 28 मार्च 2026 तक लोकमान्य तिलक टर्मिनस से शाम 17:15 बजे रवाना होकर अगले दिन 15:45 बजे कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। वहीं 04151 प्रत्येक शुक्रवार 6 मार्च से 27 मार्च 2026 तक कानपुर से 13:00 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 14:55 बजे एलटीटी पहुंचेगी। भुसावल, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, प्रयागराज और फतेहपुर प्रमुख ठहराव होंगे। संरचना में 1 एसी 2-टियर, 4 एसी 3-टियर, 9 स्लीपर, 8 सामान्य द्वितीय श्रेणी तथा 2 गार्ड ब्रेक वैन कोच शामिल हैं।

पुणे–झांसी और हडपसर–झांसी सुपरफास्ट (16 सेवाएं)

ट्रेन संख्या 01921/01922 पुणे–वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी साप्ताहिक सुपरफास्ट 5 से 26 मार्च 2026 (पुणे से गुरुवार) और 4 से 25 मार्च 2026 (झांसी से बुधवार) के बीच कुल 8 सेवाएं देगी। यह ट्रेन दौंड कॉर्ड लाइन, मनमाड, भुसावल, इटारसी, रानी कमलापति, विदिशा और बीना स्टेशनों पर रुकेगी। इसी प्रकार 01923/01924 हडपसर–वीरंगना लक्ष्मीबाई झांसी साप्ताहिक सुपरफास्ट 8 से 29 मार्च 2026 (रविवार) और 7 से 28 मार्च 2026 (शनिवार) के बीच 8 सेवाएं देगी। दोनों ट्रेनों की संरचना में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर तथा सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं।

ठाणे मनपा ने 'माझी वसुंधरा अभियान 5.0' में हासिल किया तीसरा स्थान

मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और आयुक्त सौरभ राव लेंगे अवॉर्ड

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका ने राज्य सरकार के पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग महाराष्ट्र द्वारा लागू 'माझी वसुंधरा अभियान 5.0' (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025) के तहत 10 लाख से अधिक आबादी वाले समूह की अमृत श्रेणी में तीसरा स्थान हासिल किया है। यह पुरस्कार 21 फरवरी 2026 को सुबह 11:30 बजे वर्ली स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल स्टेडियम के डोम में प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार के हाथों यह सम्मान दिया जाएगा। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर और मनपा आयुक्त सौरभ राव पुरस्कार ग्रहण करने के लिए उपस्थित रहेंगे।

भूमि और अपशिष्ट प्रबंधन में उल्लेखनीय कार्य

अभियान के तहत मनपा ने पर्यावरण संरक्षण के लिए कई ठोस पहल कीं। भूमि घटक में 81,734 पेड़ लगाए गए, 99 नए हरित क्षेत्र विकसित किए गए तथा 729 विरासत वृक्षों का पंजीकरण और सर्वेक्षण किया गया। इसके साथ ही अपशिष्ट प्रबंधन और प्लास्टिक प्रतिबंध अभियान को प्रभावी रूप से लागू किया गया। जैव-चिकित्सा कचरा, ई-कचरा और निर्माण एवं विध्वंस (C&D) कचरे का बड़े पैमाने पर संकलन और पुनर्चक्रण सुनिश्चित किया गया। वायु घटक के अंतर्गत पांच स्थानों पर नियमित वायु गुणवत्ता निगरानी, हरे पटाखों के प्रति जागरूकता, निर्माण स्थलों पर प्रदूषण नियंत्रण उपाय तथा ताप-प्रतिरोधकता और बाढ़ कार्य योजना तैयार की गई। जल संरक्षण के तहत वर्षा जल संचयन, सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता में सुधार, कुओं के पुनरोद्धार

'रेबीज फ्री ठाणे' अभियान की शुरुआत

ठाणे। ठाणे में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या को नियंत्रित करने और रेबीज के खतरे को कम करने के उद्देश्य से ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने एनिमल वेलफेयर ऑर्गनाइज़ेशन के सहयोग से 'रेबीज फ्री ठाणे' अभियान की शुरुआत की। नगर निगम मुख्यालय में मेयर शर्मिला पिंपोलकर ने अभियान का शुभारंभ करते हुए स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर उपायुक्त मनीष जोशी, शिवसेना गट नेता पवन कदम, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल, पशु अधिकारी डॉ. क्षमा शिरोडकर सहित अभियान से जुड़ी विशेष टीम मौजूद रही।

सात दिन में 5000 कुत्तों के टीकाकरण का लक्ष्य

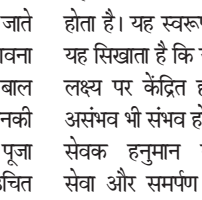

मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रसाद पाटिल ने बताया कि इस अभियान के लिए 50 सदस्यों की विशेष टीम गठित की गई है, जो सात दिनों के भीतर 5000 आवारा कुत्तों को रेबीज का टीका लगाएगी। टीकाकरण किए गए कुत्तों के गले में पहचान के लिए ऑरेंज रिफ्लेक्टर बेल्ट बांधी जाएगी। उन्होंने बताया कि आगामी एक माह में 25,000 आवारा कुत्तों को वैक्सीनेट करने का लक्ष्य रखा गया है और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। रचनात्मक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी। प्रबुद्धजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। नया कार्य करने करने की योजना बनेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शारीरिक कष्ट संभव है।

वृष यात्रा मनोरंजक रहेगी। कुछ अनहोनी की आशंका रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। प्रभावशाली व्यक्ति से संपर्क बढ़ेगा। सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है।

मिथुन दूसरों से अपेक्षा न करें। कोई भी बड़ा निर्णय सोच-समझकर करें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय में निश्चितता रहेगी। जोखिम न लें। पुरानी व्याधि उठ सकती है। शोक समाचार मिल सकता है। भागदौड़ रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

कर्क भूमि, भवन, दुकान व शोरूम आदि की खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। यश प्राप्ति के योग हैं। सामाजिक कार्य करने का मन बनेगा। लाभ होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे।

सिंह भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। आय में वृद्धि होगी। कोई बड़ी समस्या का हल सहज ही मिलेगा। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। प्रमोशन व इनाम आदि मिलने की संभावना है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। घर-परिवार में समय प्रसन्नता के साथ व्यतीत होगा।

कन्या व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। सही बात का भी विरोध हो सकता है, धैर्य रखें। स्थिति अनुकूल होगी। शारीरिक कष्ट संभव है। स्वास्थ्य को अनदेखा न करें। प्रसन्नता बनी रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे।

तुला स्वास्थ्य पर अधिक व्यय हो सकता है। विवाद को बढ़ावा न दें। धैर्य रखें। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। किसी विशिष्ट व्यक्ति से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आय में निश्चितता रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। धनहानि होने के योग हैं।

वृश्चिक पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। संतान पक्ष की चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा। व्यवसाय-व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी।

धनु विवाद को बढ़ावा न दें। राजभय बना रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। दूसरों के कार्य में दखल न दें। समय पर कार्य न होने से तनाव रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। काफी समय से अटके काम पूर्ण होने के योग हैं। मित्रों तथा परिवार के साथ समय सुखमय व्यतीत होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। लापरवाही न करें। प्रतिद्वंद्वी परेशानी का कारण बन सकते हैं।

कुंभ अधिक धनलाभ के योग बनते हैं। प्रमाद न कर प्रयास करें। नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देंगे। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। भाग्य का साथ बना रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना सफल रहेगी। सत्संग का लाभ मिलेगा।

मीन घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। व्यस्तता रहेगी। शत्रुभय रहेगा। शारीरिक पीड़ा रह सकती है। नए मित्रों से संपर्क बढ़ेगा।

हनुमान जी की तस्वीरों के रहस्य और दिव्य लाभ

प्रियंका जैन
9769994439

भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में भगवान हनुमान केवल एक देवता नहीं, बल्कि शक्ति, भक्ति, साहस और समर्पण के सर्वोच्च प्रतीक माने जाते हैं। उनकी उपासना से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मबल और सुरक्षा का संचार होता है। हनुमान जी की तस्वीर केवल एक चित्र नहीं होती, बल्कि वह एक ऊर्जा केंद्र होती है, जो घर और मन दोनों को प्रभावित करती है। शास्त्रों और परंपराओं में हनुमान जी के विभिन्न स्वरूपों और तस्वीरों के विशेष महत्व बताए गए हैं। हर स्वरूप एक विशेष ऊर्जा और आशीर्वाद का प्रतीक होता है। यदि व्यक्ति अपनी आवश्यकता और मनोकामना के अनुसार हनुमान जी की सही तस्वीर की पूजा करता है, तो उसके जीवन में चमत्कारी परिवर्तन संभव होते हैं। भगवान हनुमान की वह तस्वीर जिसमें वे श्रीराम, सीता और लक्ष्मण की भक्ति में लीन दिखाई देते हैं, अत्यंत शुभ मानी जाती है। यह स्वरूप उनकी सर्वोच्च भक्ति और समर्पण का प्रतीक है। ऐसी तस्वीर की पूजा करने से भक्त के जीवन में भक्ति की भावना बढ़ती है और भगवान की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है। यह स्वरूप व्यक्ति को अहंकार से मुक्त करता है और उसे सेवा और विनम्रता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। जब व्यक्ति इस भावना को अपने जीवन में अपनाता है, तब उसकी बाधाएं धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं। हनुमान जी का सफेद स्वरूप विशेष रूप से शांति, पवित्रता और सफलता का प्रतीक माना जाता है। यदि कोई व्यक्ति नौकरी में प्रमोशन चाहता है या अपने व्यवसाय में तरक्की चाहता है, तो उसे हनुमान जी के सफेद स्वरूप की तस्वीर की पूजा करनी चाहिए। सफेद रंग सकारात्मक ऊर्जा और संतुलन का प्रतीक है। यह व्यक्ति के मन को शांत करता है और उसे सही निर्णय लेने की क्षमता प्रदान करता है। जब मन शांत होता है, तब व्यक्ति के प्रयास अधिक प्रभावी हो जाते हैं और सफलता की संभावना बढ़ जाती है। हनुमान जी बाल ब्रह्मचारी हैं, इसलिए उनकी तस्वीर को घर के मंदिर या पूजा स्थल में ही स्थापित करना उचित माना जाता है। बेडरूम में उनकी तस्वीर लगाने से बचना चाहिए, क्योंकि यह स्थान विश्राम और निजी जीवन का प्रतीक होता है, जबकि हनुमान जी तप, अनुशासन और ब्रह्मचर्य के प्रतीक हैं। जब उनकी तस्वीर को उचित स्थान पर स्थापित किया जाता है, तब घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है और वातावरण पवित्र बना रहता है। हनुमान जी का वह स्वरूप जिसमें वे भगवान राम की भक्ति में लीन दिखाई देते हैं, मानसिक शक्ति और एकाग्रता को बढ़ाने वाला माना जाता है। इस तस्वीर की पूजा करने से व्यक्ति का मन स्थिर होता है और उसकी एकाग्रता बढ़ती है। विद्यार्थी, साधक और वे लोग जो मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं, उनके लिए यह स्वरूप अत्यंत लाभकारी होता है। यह स्वरूप व्यक्ति को यह सिखाता है कि जब मन एक लक्ष्य पर केंद्रित होता है, तब असंभव भी संभव हो जाता है।

सेवक हनुमान का स्वरूप सेवा और समर्पण का सर्वोच्च उदाहरण है। इस स्वरूप की पूजा करने से व्यक्ति के भीतर सेवा की भावना जागृत होती है। वह दूसरों की सहायता करने के लिए प्रेरित होता है। जब व्यक्ति सेवा के मार्ग पर चलता है, तब उसे समाज में सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होती है। यह स्वरूप व्यक्ति के अहंकार को समाप्त करता है और उसे विनम्र बनाता है। वीर हनुमान का स्वरूप साहस, शक्ति और पराक्रम का प्रतीक है।

मासाब खुश हुए...

- सीएम योगी ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में बढ़ोतरी की घोषणा की
- शिक्षा मित्रों को अप्रैल से 10 हजार की जगह 18 हजार रुपये मिलेंगे
- अनुदेशकों को 17 हजार रुपये दिए जाएंगे
- सरकार ने तत्काल भुगतान व्यवस्था लागू करने की बात भी कही

एजेंसी । लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिक्षा मित्रों और अनुदेशकों के मानदेय में लगभग 80% से 90% तक की बढ़ोतरी की है। अब शिक्षा मित्रों को 10 हजार के स्थान पर 18,000 रुपये और अनुदेशकों को 9 हजार के स्थान पर 17,000 रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। महंगाई के इस दौर में 8,000 रुपये की यह सीधी वृद्धि इन परिवारों के लिए किसी 'होली गिफ्ट' और 'संजीवनी' से कम नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

बेटियों के लिए स्कूटी

महिला शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए सीएम योगी ने रानी लक्ष्मीबाई योजना के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली छात्राओं को स्कूटी देने का ऐलान किया है। इसके लिए सरकार ने 400 करोड़ रुपये का भारी-भरकम बजट आवंटित किया है।

5 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा देने का निर्णय

सरकार ने केवल वेतन ही नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा पर भी ध्यान दिया है। सभी शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को 5 लाख रुपये तक की कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा देने का निर्णय लिया गया है। यह योजना 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी। गंभीर बीमारियों के कारण आर्थिक तंगी झेल रहे शिक्षा मित्रों के लिए यह कदम जीवन रक्षक साबित होगा, क्योंकि अब वे बिना वित्तीय बोझ के अपना इलाज करा सकेंगे।

नियमितीकरण की मांग और भविष्य की राह

मानदेय बढ़ने से शिक्षा मित्र उत्साहित तो हैं, लेकिन उनकी नियमितीकरण की मूल मांग अभी भी बरकरार है। शिक्षा मित्र मोहम्मद वसीम जैसे प्रतिनिधियों का कहना है कि संविदा की नौकरी में हमेशा भविष्य की असुरक्षा बनी रहती है। हालांकि वे मानदेय वृद्धि को सरकार की संवेदनशीलता मान रहे हैं, लेकिन सम्मानजनक और स्थायी भविष्य के लिए उनका संघर्ष और मांग आगे भी जारी रहेगी।

सपा ने उठाए थे सवाल

इस बजट सत्र में समाजवादी पार्टी समेत सभी विपक्षी दलों ने शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के मानदेय का मुद्दा उठाया था। सपा चीफ अखिलेश यादव, विधायक रागिनी सोनकर ने कई मौकों पर शिक्षामित्रों के मानदेय का मुद्दा उठाते हुए सत्तापक्ष को घेरा था।

36 हजार किसानों ने नहीं कराई फार्मर रजिस्ट्री

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में आ सकती है बाधा
- जिले के 1,07,814 किसानों का सत्यापन कार्य हुआ पूरा

एजेंसी । बागपत

जिले में किसानों का एकीकृत डिजिटल डाटाबेस तैयार करने की प्रक्रिया जारी है, लेकिन अभी भी बड़ी संख्या में कृषक फार्मर रजिस्ट्री से वंचित हैं। प्रशासनिक आंकड़ों के अनुसार, लगभग 36 हजार किसान अब तक ऑनलाइन पंजीकरण नहीं करा सके हैं, जिसके चलते उन्हें सरकारी योजनाओं के लाभ में बाधा आ सकती है। कृषि उपनिदेशक विभाति चतुर्वेदी ने बताया कि जिले में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 1,07,814 पंजीकृत कृषकों का सत्यापन किया गया है। इनमें से 70,953 किसानों ने अपनी फार्मर रजिस्ट्री पूरी कर ली है, जबकि 16,181 ऐसे कृषक भी हैं जो योजना से इतर होकर रजिस्ट्री करा चुके हैं। इसके बावजूद 36,861 किसान अब भी पंजीकरण की प्रक्रिया से बाहर हैं।

योजनाओं के लाभ पर पड़ सकता है प्रभाव

अधिकारियों के अनुसार, जिन किसानों ने समय पर फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई, वे योजना की आगामी 22वीं किस्त प्राप्त करने से वंचित रह सकते हैं। साथ ही खाद, बीज, कृषि यंत्र, कीटनाशी, फसल बीमा और कृषि ऋण जैसी विभिन्न अनुदान आधारित योजनाओं का लाभ भी प्रभावित हो सकता है।

पंजीकरण के लिए सरल विकल्प उपलब्ध

जिला प्रशासन ने किसानों से अपील की है कि वे आधार कार्ड, खतौनी और आधार से लिंक मोबाइल नंबर के साथ नजदीकी जनसेवा केंद्र पर जाकर तुरंत फार्मर रजिस्ट्री कराएं। किसान स्वयं भी गूगल प्ले स्टोर से "Farmer Registry UP" मोबाइल ऐप डाउनलोड कर पंजीकरण कर सकते हैं।

पारदर्शिता और एकीकृत रिकॉर्ड में पहल

फार्मर रजिस्ट्री का उद्देश्य किसानों की भूमि संबंधी जानकारी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एकीकृत करना है, ताकि योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से किसानों तक पहुंच सके। प्रदेश स्तर पर बिखरी हुई भूमि अभिलेखों को एक मंच पर लाकर सुव्यवस्थित डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जा रहा है।

अजब-गजबः कुम्हार को एक करोड़ की GST नोटिस

- नोटिस मिलते ही प्रशासन के पास पहुंचा गरीब परिवार
- बिहार से आई नोटिस, फर्जीवाड़े की आशंका

एजेंसी । रायबरेली

मिट्टी के बर्तन बनाकर परिवार का भरण-पोषण करने वाले एक कारीगर को बिहार से एक करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी देनदारी की नोटिस मिलने का मामला सामने आया है। नोटिस मिलने के बाद पीड़ित परिवार ने प्रशासन से जांच कर न्याय दिलाने की मांग की है। इस प्रकरण पर स्थानीय जीएसटी अधिकारियों की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। वहीं अपर पुलिस अधीक्षक संजीव सिन्हा ने कहा है कि शिकायत मिलने पर मामले की जांच कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मिट्टी का दीया और कुल्हड़ बनाता है परिवार

हरचंदपुर थाना क्षेत्र के रघुवीरगंज बाजार निवासी मोहम्मद शाहिद परंपरागत रूप से कुम्हारी का काम करते हैं। वे कुल्हड़, मटके, दीये और मिट्टी के खिलौने बनाकर स्थानीय बाजार में बेचते हैं। उनका कहना है कि न तो उनका कोई बड़ा व्यापार है और न ही किसी फर्म या कंपनी से जुड़ाव।

केंद्रीय माल एवं सेवा कर ने थमाई नोटिस

गुरुवार को उन्हें केंद्रीय माल एवं सेवा कर विभाग, वैशाली प्रमंडल हाजीपुर (बिहार) से जारी नोटिस प्राप्त हुई। नोटिस के अनुसार, शाहिद के नाम पर बिहार के सीवान में 'भारत एंटरप्राइजेज' नामक फर्म Goods and Services Tax में पंजीकृत है।

मसाले में फंगस और भुने चने में मिला औरामाइन

- खाद्य पदार्थों की जांच में बड़े पैमाने पर की जा रही मिलावट
- होली के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मारा छापा

एजेंसी । बरेली

होली पर्व से पूर्व खाद्य सुरक्षा विभाग की सघन जांच में शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों से लिए गए खाद्य पदार्थों के नमूनों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। लैब परीक्षण में मसाले, तेल, घी और चायपत्ती सहित कई उत्पाद अधोमानक या असुरक्षित पाए गए हैं। परसाखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र स्थित एच.एन. फूड प्रोडक्ट्स से लिया गया 'चटपटा पास्ता मसाला' का नमूना परीक्षण में अधोमानक एवं असुरक्षित पाया गया। जांच में उसमें गांठें (लम्प्स) और फंगल ग्रोथ पाई गई, जिससे इसे उपभोग के लिए अनुपयुक्त घोषित किया गया। श्यामगंज स्थित मूर्ति इंटरप्राइजेज से लिए गए भुने चने के नमूने में औरामाइन रंग की पुष्टि हुई, जो खाद्य पदार्थों में प्रतिबंधित है। इसे भी असुरक्षित करार दिया गया।

हल्दी, धनिया और मिर्च भी मिलावटी

इज्जतनगर क्षेत्र में स्थित एक प्रतिष्ठान से लिए गए सप्तऋषि ब्रांड के धनिया और हल्दी पाउडर अधोमानक पाए गए, जबकि उसी ब्रांड का तीखा मिर्च पाउडर असुरक्षित घोषित हुआ। परीक्षण में इसमें सूडान-2 और सूडान-3 जैसे निषिद्ध कृत्रिम रंग मिले, जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक माने जाते हैं।

चायपत्ती में मिलाया सनसेट यलो रंग

शहदाना, श्यामगंज स्थित रिच इंडिया टी प्रा.लि. की एटीसी ब्रांड चायपत्ती में सनसेट यलो रंग पाया गया, जिसे अधोमानक और असुरक्षित श्रेणी में रखा गया। नारियावल रोड स्थित बाला जी ट्रेडर्स से लिए गए 'राजहंस हेल्थ रिफाइंड सोयाबीन ऑयल' का नमूना भी मानकों पर खरा नहीं उतरा।

कानूनी प्रक्रिया और आगे की कार्रवाई

Food Safety and Standards Act की धारा 46(4) के अंतर्गत संबंधित कारोबारियों को 30 दिन के भीतर अपील का अवसर दिया गया है। निर्धारित अवधि में अपील न करने पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। होली को देखते हुए विशेष अभियान जारी है। विभिन्न डेयरी और दूध विक्रेताओं से नमूने लिए गए हैं, साथ ही फरीदपुर क्षेत्र के नौ कोल्ड स्टोरेज का निरीक्षण किया गया है।

झारखंडः 6,450 करोड़ का तृतीय अनुपूरक बजट पेश

- ग्रामीण ढांचा और सामाजिक योजनाओं को दी प्राथमिकता

एजेंसी । रांची

झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के तीसरे दिन राज्य सरकार ने 6,450 करोड़ रुपये का तृतीय अनुपूरक बजट सदन में प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री Radhakrishna Kishore ने बजट रखते हुए कहा कि अतिरिक्त प्रावधानों का उद्देश्य चल रही विकास योजनाओं को गति देना और आधारभूत सेवाओं को सुदृढ़ करना है। सरकार का कहना है कि यह अनुपूरक बजट वित्तीय वर्ष के दौरान उत्पन्न अतिरिक्त आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया है, ताकि विकास परियोजनाएं बाधित न हों और राज्य में बुनियादी सेवाओं का विस्तार सुनिश्चित किया जा सके।

व्यापार जगत

निर्णायक दौर में US-भारत व्यापार समझौता

- मार्च में हस्ताक्षर और अप्रैल से अमल की तैयारी
- भारत–अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रक्रिया निर्णायक चरण में पहुंच गई है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संकेत दिया है कि समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर संभव हैं और इसे अप्रैल से लागू किया जा सकता है। नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के निर्यात को गति देने के उद्देश्य से एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन का शुभारंभ किया।

अन्य प्रमुख व्यापार समझौतों की स्थिति

मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, भारत और यूनाइटेड किंगडम के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) अप्रैल में लागू हो सकता है। ओमान के साथ भी एफटीए के अप्रैल से प्रभावी होने की संभावना है। न्यूजीलैंड के साथ व्यापार समझौता सितंबर तक लागू होने की उम्मीद जताई गई है। भारत–यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि सभी 27 सदस्य देश वार्ता को शीघ्र अंतिम रूप देने के इच्छुक दिखाई दे रहे हैं। उनके अनुसार, यह परिदृश्य अभूतपूर्व है और इससे वार्ता में तेजी आने की संभावना है।

अमेरिका में होगी निर्णायक बैठक

भारत और अमेरिका के अधिकारियों के बीच अंतरिम समझौते के कानूनी मसौदे को अंतिम रूप देने के लिए 23 फरवरी से अमेरिका में तीन दिवसीय बैठक प्रस्तावित है। इससे पहले दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी कर स्पष्ट किया था कि समझौते की रूपरेखा तय कर ली गई है और अब तकनीकी तथा विधिक पहलुओं पर सहमति बनाई जा रही है। सरकार का मानना है कि इन व्यापार समझौतों से 140 करोड़ भारतीयों की आर्थिक क्षमता को वैश्विक मंच पर विस्तार मिलेगा और निर्यात, निवेश तथा रोजगार सृजन को नई गति प्राप्त होगी।

कच्चा तेल छह माह के उच्चतम स्तर के करीब

- पश्चिम एशिया में तनातनी का असर

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजार में हलचल तेज कर दी है। आपूर्ति को लेकर बढ़ती आशंकाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बीते छह महीनों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच गई हैं। पिछले दो कारोबारी सत्रों में दामों में कुल 6 से 7 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई है, जो जनवरी के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। विश्लेषकों के अनुसार, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने निवेशकों को सतर्क कर दिया है। यदि कूटनीतिक प्रयासों में प्रगति नहीं होती, तो ऊर्जा बाजार में अस्थिरता और कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड शुक्रवार को लगभग 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास कारोबार कर रहा है।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि 4% पर

- दिसंबर में 4.7 प्रतिशत थी उत्पादन वृद्धि

एजेंसी । नई दिल्ली

देश के आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की उत्पादन वृद्धि दर जनवरी में 4 प्रतिशत दर्ज की गई, जो पिछले महीने के मुकाबले कुछ कम है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार दिसंबर 2025 में यह दर 4.7 प्रतिशत थी, जबकि जनवरी 2025 में 5.1 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई थी।

Ministry of Commerce and Industry द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में नकारात्मक वृद्धि देखी गई, जिसने समग्र वृद्धि दर को प्रभावित किया।

अप्रैल–जनवरी अवधि में 2.8% वृद्धि

वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल से जनवरी अवधि के दौरान इन आठ बुनियादी उद्योगों का संयुक्त उत्पादन 2.8 प्रतिशत बढ़ा है। इसके मुकाबले पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की समान अवधि में वृद्धि दर 4.5 प्रतिशत रही थी। विशेषज्ञों के अनुसार, ऊर्जा क्षेत्र विशेषकर कच्चे तेल और गैस उत्पादन में गिरावट के कारण वृद्धि दर पर दबाव बना है।

किन उद्योगों को माना जाता है 'कोर सेक्टर'

आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। इनका औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में लगभग 40.27 प्रतिशत योगदान है, जिससे इन क्षेत्रों की गतिविधियां समग्र औद्योगिक प्रदर्शन का महत्वपूर्ण संकेतक मानी जाती हैं।

मजबूत हुआ बाजारः सेंसेक्स 82,800 के पार

- निफ्टी 25,571 पर मजबूती के साथ हुआ बंद

एजेंसी । नई दिल्ली

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार ने मजबूती के साथ वापसी की। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और 'पैक्स सिलिका' में भारत की संभावित भागीदारी से जुड़ी खबरों के बीच निवेशकों ने खरीदारी बढ़ाई, जिससे प्रमुख सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। Bombay Stock Exchange का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 316.57 अंक (0.38%) की बढ़त के साथ 82,814.71 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 633.94 अंक उछलकर 83,132.08 के दिन के उच्चतम स्तर तक पहुंचा। वहीं, National Stock Exchange का निफ्टी 50 सूचकांक 116.90 अंक (0.46%) चढ़कर 25,571.25 पर बंद हुआ, जो 25,550 के स्तर से ऊपर है। सत्र के दौरान निफ्टी 209.20 अंक की तेजी के साथ 25,663.55 तक गया। निफ्टी के 50 में से 36 शेयर बढ़त में और 14 गिरावट में रहे।

PLI योजनाओं को मिले ₹28,748 करोड़

- विनिर्माण और निर्यात में आएगी तेजी

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाओं के तहत दिसंबर 2025 तक 14 प्रमुख क्षेत्रों में कुल 28,748 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य देश में विनिर्माण क्षमता को सुदृढ़ करना, आयात निर्भरता घटाना और निर्यात को बढ़ावा देना है।

निवेश, बिक्री और रोजगार में वृद्धि

आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, 31 दिसंबर 2025 तक इन क्षेत्रों में 2.16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वास्तविक निवेश हुआ है। पीएलआई से जुड़े उद्योगों ने 20.41 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कुल बिक्री दर्ज की, जबकि निर्यात 8.3 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया।

25 फरवरी से खुलेगा ओमनीटेक का आईपीओ

इंजीनियरिंग कम्पोनेंट बनाने वाली कंपनी ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने अपने 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया है। ओमनीटेक इंजीनियरिंग का आईपीओ 25 फरवरी को खुलेगा, जबकि आप इसमें 27 फरवरी तक निवेश कर सकेंगे। आईपीओ में शेयरों का प्राइस बैंड 216-227 रुपये प्रति शेयर रखा गया है। खात बात ये है कि आईपीओ खुलने के 5 दिन पहले ही ओमनीटेक के शेयर का जीएमपी प्रॉफिट का संकेत दे रहा है।

मेनबोर्ड का होगा आईपीओ

ओमनीटेक इंजीनियरिंग का आईपीओ मेनबोर्ड का होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 24 फरवरी को इस आईपीओ में बोली लगा पाएंगे। इस पब्लिक इश्यू में 418 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 165 करोड़ रुपये के शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए बेचे जाएंगे। ओएफएस की पेशकश कंपनी के प्रमोटर उदयकुमार अरुणकुमार पारेख द्वारा की जा रही है।

आईपीओ फंड से क्या करेगी कंपनी?

नए फंड से प्राप्त राशि का इस्तेमाल ओमनीटेक कर्ज चुकाने, दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। ओमनीटेक इंजीनियरिंग के शेयर पांच मार्च का बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। इंवेस्टरगेन के अनुसार ओमनीटेक का जीएमपी आज 13 रुपये चल रहा है। यानी जिन लोगों को आईपीओ में शेयर मिलेंगे, उन्हें प्रति शेयर 13 रुपये की कमाई (5.73 फीसदी रिटर्न) हो सकती है।

विश्व कप डायरी

भारत के खिलाफ मैच में घबराहट से बचना होगा : इब्राहिम

कोलंबो। जिम्बाब्वे के सहायक कोच डॉयन इब्राहिम ने शुक्रवार को कहा कि भारत के खिलाफ विश्व कप के सुपर आठ मैच से पहले वे छुपेरुस्तम (अंडरडॉग) कहे जाने के बावजूद सहज हैं। उन्होंने कहा कि टीम ने इस चुनौती के लिए पूरी तैयारी की थी। हमारे लिए यह पक्का करना सबसे बड़ी चुनौती होगी कि हम इस मौके से घबराएं नहीं। विशेषकर जब भारतीय टीम लय में हो क्योंकि वे ऐसा करेंगे ही। जिम्बाब्वे, श्रीलंका को हराकर ग्रुप बी में शीर्ष पर रहा। इब्राहिम ने कहा, मुझे लगता है कि रैंकिंग और हर दूसरा पैमाना हमें छुपारुस्तम ही बताएगा जो बिल्कुल ठीक है। मुझे लगता है कि जब हम इस साल विश्व कप में आए तो हम निश्चित रूप से ग्रुप में 'अंडरडॉग' थे। हम इसी तरह खेलना पसंद करते हैं। मुझे लगता है कि सिकंदर रजा ने कुछ दिन पहले इस बारे में बात की थी कि 'अंडरडॉग' होने का फायदा यह है कि हम उन मुकाबलों या उस खास मैच में बिना किसी दबाव के जाते हैं। सारा दबाव भारत में मेजबान टीम पर ही होता है क्योंकि वे अपनी ही घरेलू परिस्थितियों में खेलते हैं जिनसे वे वाकिफ हैं। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसमें वे धीरे-धीरे सुधार कर रहे हैं और मजबूत होते जा रहे हैं।

अफगानिस्तान के कोच ट्रॉट ने भावुक विदाई ली

चेन्नई। अफगानिस्तान की टीम के साथ बनाई गई यादों से संतुष्ट लेकिन भावनाओं से अभिभूत कोच जोनाथन ट्रॉट ने चार साल के कार्यकाल के बाद अपनी भूमिका को अलविदा कहा। अफगानिस्तान ने अंतिम ग्रुप मैच में कनाडा को 82 रन से हराकर अपना अभियान समाप्त किया। उन्होंने गुरुवार को मैच के बाद कहा, शायद समय सही है, शायद नहीं। मुझे नहीं पता, लेकिन मैं भविष्य में सभी को शुभकामनाएं देता हूं। मैं इस मौके के लिए बहुत आभारी हूं। मुझे यह मौका वास्तव में सिर्फ सौभाग्य से मिला। ग्राहम थॉर्प को कोच बनना था और दुर्भाग्य से वह यह भूमिका स्वीकार नहीं कर सके। फिर मुझे यह पद पेश किया गया और मैंने इसे पूरे जोश के साथ स्वीकार किया। तो मैं यहां वास्तव में सौभाग्य से आया। मैंने पूरी कोशिश की। मैं उम्मीद करता हूं कि खिलाड़ी देख सकें कि मुझे इस खेल से कितना प्यार है। मेरे लिए सबसे बड़ी खुशी यही है कि मैं खिलाड़ियों के मैदान के बाहर के विकास को भी देख सका। उनके जीवन में बदलाव आता है, सिर्फ खेल में ही नहीं बल्कि खिलाड़ी अपने परिवार की किस्मत और दिशा बदल सकते हैं।

मजबूत टीमों के साथ ज्यादा द्विपक्षीय सीरीज हों : राशिद

चेन्नई। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने गुरुवार को अपने आखिरी ग्रुप मैच में कनाडा को हराकर विदा लेने के बाद कहा कि क्रिकेट खेलने वाले मजबूत देशों के साथ और द्विपक्षीय सीरीज होनी चाहिए क्योंकि इनसे अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, कुछ विभाग में सुधार की जरूरत है। बड़ी टीमों के खिलाफ मध्यक्रम में बल्लेबाजी बिखर गई और डेथ ओवर में गेंदबाजी में भी सुधार चाहिए। पर यह सुधार तब होता है जब आप द्विपक्षीय सीरीज में बड़ी टीमों के साथ खेलते हैं। राशिद ने कहा, हम (टूर्नामेंट के लिए) अच्छी तरह तैयार थे। हमने जबरदस्त क्रिकेट खेला। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच ने सच में सभी को दुखी किया। हमें उन (पहले दो) मैचों में से एक में जीत दर्ज करनी थी और देखना था कि टूर्नामेंट कैसा होता है। हम इस विश्व कप से सकारात्मक चीजें लेकर आगे बढ़ेंगे।

कप्तानी पारी से भरीयो टी, राधा तूफानी लागे...

- कप्तान राधा यादव के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर भारत ए फाइनल में
- टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में श्रीलंका ए को पांच विकेट से हराया
- अब फाइनल में बांग्लादेश से होगी टक्कर

राइजिंग स्टार्स एशिया कप

एजेंसी । बैंकॉक

कप्तान राधा यादव के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन भारत ए की टीम वुमेंस राइजिंग स्टार्स टी-20 एशिया कप के फाइनल में पहुंच गई। भारतीय टीम ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में श्रीलंका ए को पांच विकेट से हरा दिया। अब लगातार दूसरे खिताब के लिए रविवार को उसका सामना बांग्लादेश से होगा जिसने दूसरे सेमीफाइनल में पाक को 54 रन से पराजित किया। भारत ए 2023 में पहले संस्करण के फाइनल में भी बांग्लादेश से भिड़ा था जिसमें भारत को जीत मिली थी।

झटके के बाद वृंदा ने संभाला लक्ष्य का पीछा

करते समय भारत ने पहला विकेट 30 रन पर गंवा दिया था लेकिन उसके बाद टीम की शीर्ष स्कोरर वृंदा दिनेश 42 रन बनाकर टीम को संभाला। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए अनुष्का शर्मा के साथ 48 रन जोड़े। अनुष्का ने 27 रन 18 गेंदों पर पांच चौकों से बनाए। फिर राधा ने 18 गेंदों पर सात चौकों की मदद से नाबाद 31 रन बनाए जिससे भारत ने 13.3 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारी पड़ी पहले बल्लेबाजी

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया लेकिन यह उस पर भारी पड़ गया। राधा की अगुआई में भारतीय गेंदबाजों ने उसकी बल्लेबाजी लाइन-अप को तहस-नहस कर उन्हें 118 रन पर समेट दिया। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज संजना काविंदी (31 रन) शीर्ष स्कोरर रहीं। 10वें ओवर में श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 71 रन था। लेकिन फिर वे भारतीय स्पिनरों का सामना नहीं कर सकीं और बचे हुए आठ विकेट नौ ओवर में 47 रन के अंदर गंवा दिए। श्रीलंका के लिए सबसे बड़ी भागीदारी पहले विकेट के लिए काविंदी और साथी सलामी बल्लेबाज हंसिमा करुणारत्ने (14) के बीच 36 रन की हुई। बाएं हाथ की स्पिनर राधा ने 19 रन देकर चार विकेट लिए।

नंबर गेम

42 रन 20 गेंदों पर बनाए राधा ने, 19 रन पर चार विकेट भी लिए

152 रन चार मैच में भारत के लिए सर्वाधिक दिनेश वृंदा ने बनाए

पाक ए को हरा बांग्लादेश फिर फाइनल में

बैंकॉक। कप्तान फाहिमा खातून की शानदार बल्लेबाजी के बाद संजीदा अख्तर मेघला की अगुआई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन से बांग्लादेश ए महिला टीम भी लगातार दूसरी बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गई है। उसने दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को 54 रन से हरा दिया। 111 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान ए टीम की बल्लेबाज बांग्लादेशी आक्रमण के आगे अधिक देर तक नहीं टिक सकी उनकी पूरी टीम 16.4 ओवरों में 56 रन पर ढेर हो गई। शवाल ज़ुल्फिकार ने सर्वाधिक 14 रन बनाए। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सकीं। इससे पहले बांग्लादेश ने आठ विकेट पर 110 रन बनाए।

अंजुमन इस्लाम अंग्रेजी स्कूल चैंपियन

मुंबई। अंजुमन इस्लाम अल्लाना अंग्रेजी हॉय स्कूल की टीम ने फाइनल मुकाबले में शेष स्कूल की टीम को पांच विकेट से पराजित करके मुंबई स्कूल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित एमएसएसए-जेबीसीएन सुपर कप 2026 के खिताब पर कब्जा कर लिया। ब्रेबॉर्न स्टेडियम पर खेले गए मुकाबले में टॉस जीतकर अंजुमन इस्लाम अल्लाना अंग्रेजी हॉय स्कूल ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। युवान शर्मा (5/16) और वेदांत कडु (4/43) की घातक गेंदबाजी के कारण विपक्षी टीम 37.1 ओवर में 188 रनों के स्कोर पर सिमट गई। 57 गेंदें खेलकर 67 रन बनाने वाले शौर्य पाटिल अपनी टीम की ओर से सबसे बड़े स्कोरर रहे। जिसके जवाब में अंजुमन इस्लाम अल्लाना अंग्रेजी हॉय स्कूल की टीम 33.2 ओवर में 189 रन बनाकर मैच को जीत लिया। लक्ष्मणप्रसाद विश्वकर्मा 66 रन और युवराज भिंगारे नाबाद 37 रन बनाए और अपनी टीम की जीत में मुख्य भूमिका निभाई। प्रतियोगिता के लिए शौर्य पाटिल को सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज, युवान शर्मा को सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और विराट यादव को सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक घोषित किया गया।

नॉटिंघम फॉरेस्ट प्लेऑफ में जीता

यूरोपा लीग

लंदन। नॉटिंघम फॉरेस्ट फुटबॉल क्लब ने यूरोपा लीग प्लेऑफ के पहले चरण में फेनरबाचे को 3-0 से हरा दिया। फॉरेस्ट के लिए डिफेंडर मुरिलो, फॉरवर्ड इगोर जीसस और कप्तान मोर्गन गिब्स वाइट ने एक-एक गोल करके टीम को जीत दिलाई। वहीं सेल्टिक के मैनेजर मार्टिन ओनील को करियर के 1,000वें मैच में स्टुटगार्ट से 1-4 से हार मिली। विक्टोरिया प्लजन ने एथेंस में पैनाथिनाइकोस के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेला।

हॉकी का झगड़ा सलटा बट पर लगा बैन हटा

हॉकी विवाद

लाहौर। पाकिस्तान सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय हॉकी टीम के कप्तान अम्माद शकील बट पर राष्ट्रीय महासंघ (पीएचएफ) द्वारा लगाया गया दो साल का प्रतिबंध हटा दिया। पीएचएफ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने से पहले तारिक बुगती ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कुप्रबंधन की आलोचना करने पर कप्तान बट पर प्रतिबंध लगाया था। पीएचएफ के संरक्षक प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ द्वारा नियुक्त अंतरिम अध्यक्ष मुहुयदीन अहमद वानी ने फैसले को पलट दिया और कहा कि यह बुगती का 'अवैध और अंसंवैधानिक कदम' था। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री शरीफ ने बुगती का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और वानी को तदर्थ अध्यक्ष और ब्रिगेडियर मुसरतुल्लाह को महानिदेशक नियुक्त किया।

सुपर-8 में बल्लेबाजों और फिरकीबाजों में जंग

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच मुकाबला आज

कोलंबो। न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच शनिवार को होने वाले मुकाबले के साथ ही टी-20 विश्व कप के अगले चरण की जंग शुरू हो जाएगी। दोनों ही टीमों के लिए यह मैच मानसिक बढ़त हासिल करने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। कोलंबो की धीमी पिच पर यह मुकाबला मुख्य रूप से कीवी बल्लेबाजों और पाकिस्तानी स्पिनरों के बीच की तकनीकी लड़ाई साबित होने वाला है।

न्यूजीलैंड के लिए अब तक का सफर मिला-जुला रहा है। सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट और फिन एलेन ने तो तीन अर्धशतक जड़े हैं, लेकिन मध्यक्रम पूरी तरह फ्लॉप रहा है। ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र जैसे खिलाड़ियों ने व्यक्तिगत तौर पर एक-एक अर्धशतक जरूर लगाया है, लेकिन वे टीम को बड़ा स्कोर दिलाने में नाकाम रहे हैं।

पाकिस्तान की स्पिन ताकत और पिच का फायदा

पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा फायदा यह है कि वे इसी मैदान पर पहले दो मैच खेल चुके हैं और यहाँ की 'लेंथ' और 'रफ्तार' से वाकिफ हैं। शादाब खान, अबरार अहमद और मोहम्मद नवाज जैसे स्पिनर इस धीमी पिच पर बेहद घातक साबित हो सकते हैं। जहाँ शॉट खेलने के लिए ताकत से ज्यादा समझदारी की जरूरत है।

आमने-सामने

कुल मैच	: 49
न्यूजीलैंड जीता	: 23
पाक जीता	: 24
बेनतीजा	: 2

नंबर गेम

7 मुकाबले विश्व कप में दोनों ने खेले हैं पाक ने पांच और न्यूजीलैंड ने दो जीते हैं

4 साल बाद दोनों विश्व कप में टकराएंगे। पिछली बार 2022 में पाक ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से धोया था

8 विकेट से हराया था न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को मार्च में खेले गए पिछले मुकाबले में

सेंटनर एक हजारी बनने के करीब

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर एक हजार रन पूरे करने से 26 रन दूर हैं। वह ऐसे करते ही टी-20 में एक हजार रन बनाने और 100 प्लस विकेट लेने वाले न्यूजीलैंड के पहले जबकि दुनिया के छठे खिलाड़ी बन जाएंगे।

बॉलीवुड

रिव्यू : 'शतक'

विचार से विस्तार तक की यात्रा 'शतक'

आरआरएस का नाम तो सभी ने सुना है, लेकिन क्या आपने कभी इसके स्थापना, शुरुआती और संघर्ष के दिनों की कहानी सुनी है? 'शतक' फिल्म आपको उसी सफर पर लेकर जाती है, जब डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार और उनके साथियों ने संगठन की नींव रखी। यह सिर्फ इतिहास नहीं है, बल्कि संघर्ष, सोच और समर्पण की कहानी है, जो आज भी हमारे लिए सीख और प्रेरणा देती है।

रेटिंग ★★★½

डायरेक्शन: आशीष मॉल
प्रोड्यूसर: वीर कपूर
प्रोडक्शन स्टूडियो: कृधान मीडियाटेक
कॉन्सेप्ट: अनिल धनपत अग्रवाल
को-प्रोड्यूसर: आशीष तिवारी
राइटर: नितिन सावंत, रोहित गहलोत, उत्सव दान

छोटे पल, बड़ा असर

फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी सादगी है। बड़े सेट या दिखावे की जगह, छोटे मैदान, आम चेहरे और रोज़मर्रा जैसी स्थितियाँ इसे बेहद असली बनाती हैं। कैमरा और माहौल इतने सहज हैं कि हर सीन आपसे सीधे जुड़ जाता है।

हेडगेवार की ताकत

डॉ. केशव बलीराम हेडगेवार की छवि फिल्म में उनके असली रूप में पेश की गई है। उनका अनुशासन, सेवा की भावना और जिद ने आरएसएस की नींव रखी। शुरुआती संघर्ष और संगठन की सरल शुरुआत देखकर आप उनके व्यक्तित्व की गहराई महसूस कर सकते हैं।

गोलवलकर का समय और कठिनाई

जैसे ही कहानी माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) के दौर में पहुंचती है, माहौल और गंभीर हो जाता है। संघ पर लगे प्रतिबंध और मुश्किल हालात में संगठन को दोबारा खड़ा करना उनके धैर्य और सूझबूझ को दिखाता है।

देश और सेवा की मिसाल

दादरा, नगर हवेली और कश्मीर के महत्वपूर्ण घटनाक्रम भी फिल्म में जगह पाते हैं। ये दृश्य दिखाते हैं कि संघ ने हमेशा खामोशी से देश और समाज के लिए काम किया है।

सामान्य लोगों की कहानी

'शतक' केवल बड़े नामों की कहानी नहीं है। फिल्म में उन आम स्वयंसेवकों की मेहनत, उनके त्याग और परिवार की फिक्र भी उतनी ही असरदार ढंग से दिखाई गई है। यही इसे हकीकत और इंसानियत से भर देता है।

टीम का कमाल

फिल्म का असर टीम की मेहनत से आता है। अनिल डी. अग्रवाल का आइडिया, नितिन सावंत, रोहित गहलोत और उत्सव दान की लिखावट, कृधान मीडियाटेक और वीर कपूर का प्रोडक्शन और आशीष मॉल का निर्देशन सबने मिलकर फिल्म को असली और संतुलित बनाया। आशीष तिवारी की कोशिशें भी इसे खास बनाती हैं।

क्यों देखें यह फिल्म

कृधान मीडियाटेक प्रोडक्शन की यह फिल्म सिर्फ इतिहास नहीं दिखाती, बल्कि संघर्ष और मेहनत का एहसास कराती है। हेडगेवार, गोलवलकर और युवा स्वयंसेवकों की कहानी इतनी असरदार है कि हर सीन दिल को छू जाता है। इस वीकेंड अगर कुछ अलग और सोचने वाला देखना है, तो यह फिल्म मिस न करें।

'टॉक्सिक' का धमाकेदार टीजर रिलीज

19 मार्च को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

साल 2026 की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' का दमदार टीजर जारी कर दिया गया है। 'केजीएफ 2' की ऐतिहासिक सफलता के बाद यश की इस फिल्म को लेकर पहले से ही जबरदस्त उत्साह था, जिसे टीजर ने और बढ़ा दिया है। केवीएन प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्देशन गीतु मोहनदास ने किया है।

करीब 1 मिनट 55 सेकंड लंबे इस टीजर की शुरुआत यश के इंटेंस लुक से होती है। बैकग्राउंड में सुनाई देता डायलॉग, ₹इस बार जंग अलग है, उनकी मक्कारी भी अलग है₹ फिल्म के टोन को साफ तौर पर स्थापित करता है। पूरे टीजर में यश अपने दुश्मनों पर भारी पड़ते नजर आते हैं।

टीजर में जबरदस्त एक्शन, मारधाड़ और खून-खराबे के दृश्य देखने को मिलते हैं, जो फिल्म को एक डार्क और रॉ अंदाज देते हैं। कई सीन इतने तीव्र हैं कि दर्शकों को झकझोर देने की क्षमता रखते हैं। यश का यह दलेर और खतरनाक अवतार उनके फैंस के लिए किसी बड़े सरप्राइज से कम नहीं है। 19 मार्च को रिलीज होने जा रही इस फिल्म में कियारा आडवाणी, नयनतारा, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म को एक हाई-ऑक्टेन एक्शन ड्रामा के रूप में देखा जा रहा है, जिससे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

रजनीकांत और कमल हासन फिर आ रहे साथ

साउथ सिनेमा के दो दिग्गज सितारे रजनीकांत और कमल हासन एक साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। निर्माताओं ने उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'आरकेxकेएच' का पहला पोस्टर जारी कर दिया है। पोस्टर सामने आते ही फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के प्रोमो के लिए दोनों सितारों ने रेट्रो लुक में शूटिंग की है, जिसकी झलक पोस्टर में साफ दिखाई दे रही है। इसे 'कूल रेट्रो स्वैग' थीम दी गई है, जिसे लेकर दर्शकों में खासा क्रेज है। जारी पोस्टर में दो अलग-अलग व्यक्तियों के हाथ दिखाए गए हैं।

एक हाथ में सोने की चमचमाती घड़ी नजर आ रही है, जबकि दूसरे हाथ में सोने की अंगूठी दिखाई दे रही है। बिना चेहरा दिखाए ही निर्माताओं ने रहस्य और उत्सुकता को बरकरार रखा है। पोस्टर की डिजाइन और टोन से संकेत मिलता है कि प्रोमो वीडियो विंटेज स्टाइल में तैयार किया गया है, जो दर्शकों को बीते दौर की याद दिलाएगा।

'बबूल के कांटे' बोने वाले यूनुस के जाते ही भारत-बांग्लादेश के रिश्तों में पनपा प्यार

कागज-पत्तर की बहाली

एजेंसी । ढाका

भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार की दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए दिल्ली स्थित बांग्लादेश हाई कमीशन ने शुक्रवार को भारतीय नागरिकों के लिए सभी श्रेणियों की वीजा सेवाएं फिर से शुरू कर दी हैं। पिछले दो महीनों से बंद पड़ी इन सेवाओं की बहाली यह संकेत देती है कि नई सरकार भारत के साथ तनाव को कम करने के लिए गंभीर है। अब भारतीयों को पर्यटन और मेडिकल वीजा भी आसानी से मिल सकेंगे, जो पहले केवल बिजनेस और वर्क वीजा तक ही सीमित थे।

तनावपूर्ण अतीत और कूटनीतिक चुनौतियां

दोनों देशों के बीच रिश्तों में यह खटास दिसंबर में भारत-विरोधी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के बाद आई थी। उस घटना के बाद बांग्लादेश में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए, जिनमें हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया गया और लिंचिंग की दुखद घटनाएं सामने आईं। इसके परिणामस्वरूप सुरक्षा कारणों से दोनों देशों ने अपनी वाणिज्य दूतावास और वीजा सेवाओं को रोक दिया था, जिससे आपसी संवाद लगभग ठप हो गया था।

भारत की ओर से सकारात्मक प्रतिक्रिया

बांग्लादेश की पहल के साथ ही भारत ने भी अपनी वीजा सेवाओं को पूरी तरह बहाल करने के संकेत दिए हैं। सिलहट में भारत के वरिष्ठ कांसुलर अधिकारी अनिरुद्ध दास ने पुष्टि की है कि बांग्लादेशी नागरिकों के लिए मेडिकल और डबल-एंट्री वीजा जारी किए जा रहे हैं और जल्द ही सामान्य यात्रा वीजा भी शुरू कर दिए जाएंगे। यह कदम दर्शाता है कि नई दिल्ली भी पड़ोसी देश के साथ जमीनी स्तर पर संपर्क को फिर से मजबूत करना चाहती है।

तारिक रहमान और बीएनपी का नया रुख

प्रधानमंत्री के रूप में तारिक रहमान का पद संभालना बांग्लादेश की विदेश नीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। तीन दिन पहले सत्ता संभालने के तुरंत बाद वीजा सेवाओं को बहाल करना यह दर्शाता है कि उनकी पार्टी, बीएनपी (BNP), के लिए भारत के साथ संबंध बेहद अहम हैं। पिछली अंतरिम सरकार के दौरान रही कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए रहमान प्रशासन अब भारत को एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में देख रहा है।

पहली विदेश यात्रा और कूटनीतिक परंपरा

अब सबकी नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या तारिक रहमान अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए दिल्ली को चुनेंगे। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें भारत आने का औपचारिक निमंत्रण दे दिया है। पिछले साल मुहम्मद यूनुस ने परंपरा तोड़ते हुए पहले चीन की यात्रा की थी, जिससे संबंधों में खिंचाव आया था। यदि रहमान दिल्ली आते हैं, तो यह दक्षिण एशिया में भारत की रणनीतिक भूमिका और दोनों देशों के बीच फिर से बढ़ते भरोसे का बड़ा प्रतीक होगा।

बाबर के नाम पर मस्जिद निर्माण की रोक वाली याचिका खारिज

एजेंसी । नई दिल्ली

जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने शुक्रवार को याचिकाकर्ता देवकीनंदन पांडेय की उस दलील को सुनने से मना कर दिया, जिसमें केंद्र सरकार को बाबर के नाम पर मस्जिदों के निर्माण को रोकने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने इसे वापस लेने की अनुमति मांगी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। कोर्ट का यह रुख दर्शाता है कि संवैधानिक संस्थाएं ऐतिहासिक विवादों को वर्तमान प्रशासनिक और निर्माण कार्यों में हस्तक्षेप का आधार बनाने से बच रही हैं।

आक्रमणकारी का तर्क और बंगाल का संदर्भ

याचिका में तर्क दिया गया था कि बाबर एक विदेशी 'आक्रमणकारी' था, इसलिए उसके नाम पर भारत में कोई भी धार्मिक ढांचा या स्मारक नहीं होना चाहिए। अधिवक्ता ने विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा 'बाबरी मस्जिद' बनाने की घोषणा का हवाला देते हुए कार्रवाई की मांग की थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इन दलीलों को कानूनी रूप से विचारणीय नहीं माना, जिससे यह स्पष्ट हो गया।

न्यूज़ ब्रीफ

तमिलनाडु-पुडुचेरी का 25 से 27 फरवरी को दौरा करेगा चुनाव आयोग

नई दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में चुनाव आयोग 25 से 27 फरवरी तक तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेगा। इस दौरान आयोग इन दोनों क्षेत्रों में विधानसभा चुनाव की तैयारियों का आकलन करेगा। यहां अप्रैल में चुनाव होने की संभावना है। तमिलनाडु और पुडुचेरी के अलावा असम, केरल और पश्चिम बंगाल में भी विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव आयोग ने इस सप्ताह असम का दौरा कर वहां की तैयारियों की समीक्षा की थी। गुवाहाटी में सीईसी कुमार ने बताया कि असम के चुनाव कार्यक्रम तय करते समय 14 अप्रैल को पड़ने वाले बिहू पर्व का ध्यान रखा जाएगा। आम तौर पर चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले आयोग संबंधित राज्यों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेता है। इन पांचों विधानसभाओं का कार्यकाल मई और जून में अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है।

आज से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आप संयोजक केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शनिवार से दो दिवसीय गुजरात दौरे पर रहने वाले हैं। उनका यह दौरा आगामी गुजरात चुनाव की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा है। इस दौरे पर केजरीवाल के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी जाने वाले हैं। आप नेताओं के गुजरात दौरे की जानकारी देते हुए पूर्व मंत्री गोपाल राय ने एक्स पर बताया कि 21-22 फरवरी को अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुजरात का दौरा करेंगे। 21 इस दौरे के दौरान, वे अहमदाबाद में प्रेस-मीडिया को संबोधित करेंगे और भावनगर में सामाजिक कार्यक्रमों में भी मौजूद रहेंगे।

आतंकी गिरफ्तार, हथियार और गोला बारूद बरामद

लोंगडिंग। अरुणाचल प्रदेश में सुरक्षा बलों ने सीमावर्ती जिले लोंगडिंग में एक संयुक्त अभियान के दौरान एनएससीएन-आईएम के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास हथियारों और गोला-बारूद का जखीरा बरामद किया गया। इटानगर के एक पुलिस अधिकारी के अनुसार यह अभियान असम राइफल्स, विशेष टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा चलाया गया था। मिली सूचनाओं के आधार पर, सुरक्षा बलों ने लोंगडिंग पुलिस स्टेशन क्षेत्र के अंतर्गत जेडुआ गांव के पास टिसिंग में अभियान चलाया और एनएससीएन-आईएम के एक चरमपंथी को गिरफ्तार करके एक बड़ी आतंकी साजिश को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। गिरफ्तार उग्रवादी की पहचान स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान के रूप में हुई है, जो नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का एक सदस्य है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, एक 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल के बरामद किए।

प्रतिबंधित ड्रोन और जीपीएस जैमर बेचने पर सरकार सख्त

छह ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को भेजा नोटिस

एजेंसी । नई दिल्ली

सीसीपीए के अनुसार, एवरसे, इंडियामार्ट, एक्सबूम, जावियट एयरोस्पेस, एयरवन रोबोटिक्स और मैवरिक ड्रोन्स जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 'एंटी-ड्रोन सिस्टम', 'ड्रोन जैमर' और 'जीपीएस जैमर' खुलेआम बेचे जा रहे थे। यह उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के साथ-साथ भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम (1885) और वायरलेस टेलीग्राफी अधिनियम (1933) का स्पष्ट उल्लंघन है। ये उपकरण सिग्नल बाधित करने की क्षमता रखते हैं, जिनका अनियंत्रित उपयोग सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील और खतरनाक हो सकता है।

कठोर नियामकीय नियंत्रण और सरकारी दिशा-निर्देश

भारत में वायरलेस जैमिंग उपकरणों का आयात और बिक्री दूरसंचार विभाग (DoT) और वायरलेस प्लानिंग एंड कोऑर्डिनेशन (WPC) के सख्त लाइसेंस के अधीन है। विदेशी व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 के तहत इन उपकरणों को केवल अधिकृत सरकारी एजेंसियों और कानून प्रवर्तन इकाइयों को ही बेचा जा सकता है। सीसीपीए ने स्पष्ट किया है कि ई-कॉमर्स कंपनियों की यह जिम्मेदारी है कि वे अपने प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रतिबंधित वस्तु को सूचीबद्ध करने से पहले वैधानिक अनुमति की पुष्टि करें।

सीसीपीए की सख्त कार्रवाई और डेटा की मांग

प्राधिकरण ने इन छह कंपनियों को आदेश दिया है कि वे पिछले दो वर्षों में बेचे गए उपकरणों का पूरा विवरण साझा करें, जिसमें खरीदारों की जानकारी, आयात लाइसेंस की प्रतियां और बिक्री का कानूनी आधार शामिल हो। बिना उचित मंजूरी के इन उपकरणों को बढ़ावा देना या बेचना दंडात्मक कार्रवाई को आकर्षित करता है। यह कदम डिजिटल मार्केटप्लेस में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और सुरक्षा के प्रति संवेदनशील उपकरणों की अवैध पहुंच को रोकने के लिए उठाया गया है।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण विवाद

एसआईआर पर रोक सुप्रीम कोर्ट सख्त

- एसआईआर के काम में मदद के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करें : सुप्रीम कोर्ट
- दावों और आपत्तियों के निपटारे के लिए न्यायिक अधिकारियों की होगी प्रतिनियुक्ति

एजेंसी । नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। ऐसे में आज सुप्रीम कोर्ट ने राज्य में निर्वाचन आयोग की तरफ से कराए जा रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद के मामले में सुनवाई की। कोर्ट ने सख्त रूख अपनाते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस को कई अहम निर्देश दिए। अदालत ने कहा कि एसआईआर के काम में लगाए गए सीजेएम को हटाकर पुराने जजों को तलाशें। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा कि न्यायिक अधिकारियों को राहत दें और पश्चिम बंगाल में एसआईआर के काम में सहायता के लिए पूर्व न्यायाधीशों को नियुक्त करने की दिशा में काम करें। शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन के लिए पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों की नियुक्ति न करने का भी संज्ञान लिया।

मामले में कोर्ट ने क्या-क्या निर्देश दिए, समझिए

- जिन लोगों के नाम तार्किक विसंगति सूचीमें डाले गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों का फैसला अब सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी करेंगे।
- कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से कहा है कि वे इस काम के लिए न्यायिक अधिकारियों को उपलब्ध कराएं और जरूरत पड़े तो पूर्व जजों को भी नियुक्त करें।
- सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी इस काम में लगे सीजेएम (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) को हटाकर अन्य उपयुक्त न्यायिक अधिकारियों/पूर्व जजों को लगाया जाए।
- कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पर्याप्त 'ए' श्रेणी के अधिकारियों को तैनात न करने पर गंभीर नाराजगी जताई।
- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को 28 फरवरी को बंगाल की ड्राफ्ट मतदाता सूची प्रकाशित करने की अनुमति दी है।
- साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर बाद में पूरक (सप्लीमेंट्री) सूची भी जारी की जा सकती है।

कोर्ट ने विवाद को क्यों बताया गंभीर?

मतदाता सूची से जुड़े इस मामले को गंभीर बताते हुए कोर्ट ने कहा कि सेवारत और पूर्व न्यायिक अधिकारी तार्किक विसंगति सूची में शामिल लोगों के दावों और आपत्तियों पर फैसला करेंगे। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को भी लगभग एक हफ्ते की मोहलत दी।

एक अप्रैल से सिर्फ फास्टैग या यूपीआई से ही कटेगा टोल टैक्स

एजेंसी । नई दिल्ली

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, अब टोल शुल्क का भुगतान केवल फास्टैग या यूपीआई के माध्यम से ही स्वीकार किया जाएगा। नकद लेन-देन को पूरी तरह हतोत्साहित करने का उद्देश्य टोल प्लाजा पर लगने वाली लंबी कतारों को खत्म करना और यात्रा के समय को कम करना है। वर्तमान में, बिना वैध फास्टैग के नकद भुगतान करने पर दोगुना शुल्क लिया जाता है, जबकि यूपीआई उपयोगकर्ताओं के लिए यह 1.25 गुना है, लेकिन नए नियमों के बाद नकद विकल्प पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। एनएचएआई का यह फैसला तकनीक-आधारित और पारदर्शी राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क तैयार करने के लक्ष्य का हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार, फास्टैग की पहुंच पहले ही 98% से अधिक हो चुकी है।

परिचालन दक्षता और यात्री सुविधा में सुधार

नकद भुगतान बंद होने से टोल प्लाजा पर होने वाले आपसी विवाद कम होंगे और लेन-देन में पूर्ण पारदर्शिता आएगी। एनएचएआई के आकलन के मुताबिक, डिजिटल भुगतान से न केवल परिचालन दक्षता बढ़ेगी, बल्कि ईंधन की बचत और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलेगी क्योंकि वाहनों को टोल पर रुकना नहीं पड़ेगा। यह पहल 'कैशलेस इकोनॉमी' को बढ़ावा देने के साथ-साथ भारतीय राजमार्गों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

पाकिस्तानी जेल में कैद हैं सौ से ज्यादा मछुआरे

गांधीनगर। गुजरात के 128 मछुआरे इस समय पाकिस्तान की जेलों में बंद हैं। यह जानकारी गुजरात विधानसभा में दी गई। राज्य के मत्स्य मंत्री जितु वाघाणी ने बताया कि 20 जनवरी तक इतने मछुआरे जेल में थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में पाकिस्तान की जेलों में तीन मछुआरों की मौत भी हो चुकी है। सरकार ने बताया कि ऐसे मछुआरों की रिहाई के लिए राज्य सरकार केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखती रहती है। अक्सर पाकिस्तान की समुद्री सुरक्षा एजेंसी गुजरात के मछुआरों को पकड़ लेती है। उन पर आरोप होता है कि वे अरब सागर में गलती से सीमा पार करके पाकिस्तानी पानी में चले जाते हैं!

- बीते दो सालों में तीन मछुआरों ने जेल में तोड़ा दम

पोलैंड रूस से लगती सीमा पर बारूदी सुरंग बिछाएगा

अंतरराष्ट्रीय संधि से तोड़ा नाता

एजेंसी । वॉरसॉ

पोलैंड अपनी पूर्वी सीमा पर रूस के बढ़ते खतरे के मद्देनजर बारूदी सुरंग बिछाएगा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय संधि से भी खुद को अलग कर लिया है। यह जानकारी देश के उप रक्षामंत्री पावेल जालेव्स्की ने शुक्रवार को को दी। जालेव्स्की ने बताया कि ये बारूदी सुरंग नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) के पूर्वी हिस्से, पोलैंड के उत्तर में रूस के साथ और पूर्व में बेलारूस के साथ लगती सीमा पर लगाई जाएंगी। हम रक्षा संरचना का निर्माण कर रहे हैं,जिसमें यह प्रमुख तत्वों में से एक है। उन्होंने कहा कि पोलैंड को रूस से अपना बचाव करने की जरूरत है।

उन्होंने कहा कि रूस एक ऐसा देश है, जिसके अपने पड़ोसियों के प्रति बहुत आक्रामक इरादे हैं और जिसने खुद कभी अंतरराष्ट्रीय बारूदी सुरंगों पर प्रतिबंध संधि के प्रति प्रतिबद्धता नहीं जताई है।

संधि को 1997 में मंजूरी मिली थी

पोलैंड विवादास्पद हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले अंतरराष्ट्रीय समझौते से आधिकारिक तौर पर अलग हो गया है। वर्ष 1997 में बारूदी सुरंग पर प्रतिबंध संबंधी संधि को मंजूरी दी गई थी, जिसे ओटावा संधि के नाम से भी जाना जाता है। यह संधि हस्ताक्षरकर्ताओं को बारूदी सुरंग रखने या बिछाने से रोकती है। पोलैंड ने 2012 में इसकी पुष्टि की थी और 2016 में अपने सभी बारूदी सुरंग नष्ट कर दिए थे। हालांकि शुक्रवार को उसने संधि से हटने की घोषणा करते हुए कहा कि वह इन हथियारों का निर्माण फिर से शुरू करने की योजना बना रहा है।

एआई सम्मेलन स्थल पर प्रदर्शन

नई दिल्ली। राजधानी में एआई इम्पैक्ट सम्मेलन स्थल पर हुए विरोध प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को भारतीय युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। पुलिस का कहना है कि मामले में व्यापक साजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कृष्णा हरि (राष्ट्रीय सचिव, बिहार), कुंदन यादव (प्रदेश सचिव, बिहार), अजय कुमार (प्रदेश उपाध्यक्ष) और नरसिंहा यादव (तेलंगाना) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार मामले में गंभीर धाराएं लगाई जा रही हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शन के दौरान आरोपितों की सुरक्षा कर्मियों और पुलिसकर्मियों के साथ लंबी धक्का-मुक्की हुई।

युवा कांग्रेस के चार कार्यकर्ता गिरफ्तार

चांद पर मिली दरारों की संख्या बढ़कर 2,634 हो गई

चटक रही चांद की जमीन, सतह पर पड़े हजारों चीरें

एजेंसी । वॉशिंगटन

नेशनल एयर एंड स्पेस म्यूजियम के विशेषज्ञों ने चांद की सतह पर 1,114 नई दरारों की खोज की है। इस खोज के बाद अब चांद पर मिली कुल दरारों की संख्या बढ़कर 2,634 हो गई है।

क्यों सिकुड़ रहा है चांद?

चांद का अंदरूनी हिस्सा समय के साथ ठंडा हो रहा है। जैसे-जैसे यह ठंडा होता है, इसकी ऊपरी सतह (पपड़ी) सिकुड़ने लगती है। इस खिंचाव और दबाव की वजह से चांद की सतह पर ऊंची लकीरें और दरारें बन रही हैं।

नासा के लिए चिंता की बात

यह खबर उन स्पेस एजेंसियों के लिए बुरी है, जो चांद पर इंसान भेजने या वहां बेस बनाने की योजना बना रही हैं। चांद के सिकुड़ने से वहां चंद्र-भूकंप आते हैं। नासा 2028 तक इंसानों को चांद पर उतारना चाहता है। ये दरारें और भूकंप इंसानों द्वारा बनाए गए बेस और उपकरणों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

जियोलॉजिकल बदलाव

ये दरारें भले ही लाखों साल पुरानी हों, लेकिन चांद के इतिहास के हिसाब से ये नई संरचनाएं हैं, जिसका मतलब है कि चांद अभी भी बदल रहा है। वैज्ञानिकों का मानना है कि भविष्य के मिशनों की सुरक्षा के लिए चांद की इस हलचल को समझना सबसे जरूरी काम बन गया है।

सीबीआई ने 15 साल से फरार आरोपी को किया गिरफ्तार

अवैध संपत्ति मामला

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 15 साल से कानून की नजरों से बच रहे भगोड़े अपराधी संतोष कुमार को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। यह गिरफ्तारी भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के उस पुराने मामले में हुई है, जिसकी जांच 2008 से चल रही थी। यह मामला 17 जून 2008 को दर्ज किया गया था, जिसमें बीएसएनएल (BSNL) रोहतक के तत्कालीन महाप्रबंधक चंद्रशेखर और संतोष कुमार सहित अन्य पर गंभीर आरोप थे।

घोषित अपराधी और सीबीआई की कार्रवाई

सीबीआई द्वारा आरोपपत्र दाखिल किए जाने के बाद भी संतोष कुमार अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके चलते मार्च 2011 में उसे घोषित अपराधी करार दिया गया था। वह लगातार अपनी पहचान छिपाकर गिरफ्तारी से बचता रहा, लेकिन हाल ही में सीबीआई ने तकनीकी निगरानी और जमीनी सत्यापन के जरिए उसकी लोकेशन दिल्ली में ट्रैक की।